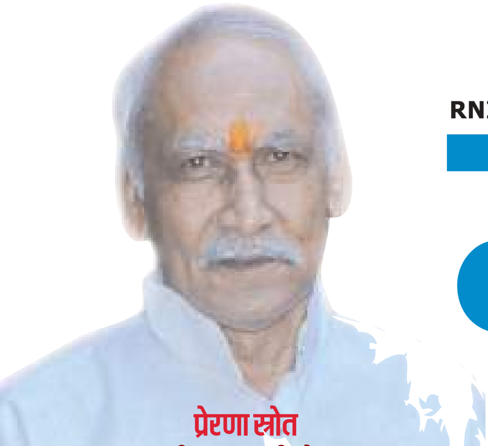
प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ..सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

भाग्य में विश्वास रखने की बजाय अपनी शक्ति और कर्म में विश्वास रखना चाहिए।
डॉ. भीमराव अंबेडकर

वर्ष-04, अंक - 41 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 14 जुलाई 2022 पृष्ठ-8, मूल्य-5 रुपए

शिंदे गुट ने शरद पंवार पर लगाया आरोप, कहा दो बार शिवसेना को तोड़ने में था हाथ

मुम्बई।
महाराष्ट्र की सियासी लड़ाई में अब एकनाथ शिंदे गुट ने एनसीपी के चीफ शरद पवार पर सीधा हमला बोला है। एकनाथ शिंदे गुट के प्रवक्ता दीपक केसरकर ने कहा कि, आज से पहले जब भी शिवसेना क बंटवारा हुआ था, उसमें शरद पवार का ही हाथ था। उन्होंने नारायण राणे और राज ठाकरे की बगावत का जिक्र करते हुए कहा कि, इन दोनों ही नेताओं के पीछे शरद पवार का हाथ था। उन्होंने कहा कि, आज शरद पवार की ओर से बालासाहेब ठाकरे के सम्मान की बात की जा रही है। उन्हें महाराष्ट्र की जनता को जवाब देना चाहिए कि बालासाहेब ठाकरे को जिंदा रहते हुए क्यों प्रताड़ित किया गया।

उन्होंने शरद पवार की ओर से शिवसेना और एनसीपी के साथ मिलकर चुनाव लड़ने की बात कहने पर भी जवाब दिया। उन्होंने कहा कि, शरद पवार ने अकसर शिवसेना के विभाजन के बारे में निजी तौर पर बात की थी। पवार ने नारायण राणे को शिवसेना से बाहर निकालने में मदद की थी। छगन भुजबल को खुद शरद पवार ने शिवसेना से बाहर किया था। इसके अलावा राज ठाकरे को भी उनका समर्थन हासिल था। महाराष्ट्र की सियासत में शरद पवार का बड़ा कद है और एकनाथ शिंदे गुट की ओर से उन पर सीधा हमला होने पर तीखा रिएक्शन देखने को मिल सकता है।

कभी पंवार के दरवाजे नहीं गए

हालांकि अब तक एनसीपी की ओर से केसरकर के आरोप का कोई जवाब नहीं दिया गया है। केसरकर ने बालासाहेब ठाकरे को याद करते हुए कहा, मैंने मातोश्री को सिल्वर ओक के दरवाजे पर कभी जाते नहीं देखा। बालासाहेब कभी भी कांग्रेस-एनसीपी के साथ जाने के लिए तैयार नहीं हुए। बालासाहेब ठाकरे कहा करते थे कि अगर मैं अपनी पार्टी का आखिरी व्यक्ति हूं तो भी कांग्रेस के साथ नहीं जाऊंगा। एकनाथ शिंदे समर्थक नेता ने कहा कि, इसीलिए शिव सैनिक कभी भी शरद पवार के साथ नहीं रहेंगे।

फिर विधायक नहीं बन पाएंगे बागी- पंवार

बता दें कि, एनसीपी की राज्य कार्यकारिणी की बैठक में शरद पवार ने कहा था कि, भले ही शिवसेना के विधायक पार्टी छोड़ चुके हैं, लेकिन शिव सैनिक अभी भी हैं। इसलिए अगले चुनाव में एक या दो अपवादों को छोड़कर, इन 40 विधायकों में से कोई भी निर्वाचित नहीं होगा। गौरतलब है कि 2019 में महा विकास अघाड़ी सरकार के गठन में भी शरद पवार की ही अहम भूमिका मानी जाती है। उन्होंने ही कांग्रेस और शिवसेना को एक मंच पर लाने की सफल कोशिश की थी।

16 वें राष्ट्रपति के पद हेतु 18 जुलाई को होगा निर्वाचन

भोपाल।
मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने विधान सभा में राष्ट्रपति पद के निर्वाचन की तैयारियों के संबंध में मतदान स्थल एवं स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया। आगामी 18 जुलाई को भारत के 16 वें राष्ट्रपति पद के लिए निर्वाचन होना है। निरीक्षण के दौरान अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी राजेश कौल उपस्थित थे।

राष्ट्रपति निर्वाचन के संबंध में मतपेटी, मतपत्र एवं निर्वाचन सामग्री भारत निर्वाचन आयोग द्वारा उपलब्ध कराई जा रही है। निर्वाचन सामग्री प्राप्त करने के लिए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय, मध्यप्रदेश से प्रमोद शुक्ला, उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी एवं बीडी सिंह परस्ते, सहायक रिटर्निंग अधिकारी 11 जुलाई को नई दिल्ली के लिए रवाना हुए। 13 जुलाई को राष्ट्रपति निर्वाचन में प्रयुक्त होने वाली मतपेटी, मतपत्र, मतदान हेतु विशिष्ट निर्धारित पेन आदि निर्वाचन सामग्री, प्राप्त कर शाम 8:15 बजे भोपाल पहूंच चुके है। निर्वाचन सामग्री प्रोटोकॉल एवं पूर्ण सुरक्षा में विधान सभा भवन, भोपाल लाई जाएगी। निर्वाचन सामग्री को स्ट्रांग रूम में रखा जाएगा, जहाँ सीसीटीव्ही कैमरे से सतत् निगरानी की जाएगी। इस प्रक्रिया की वीडियोग्राफी की जाएगी। स्ट्रांग रूम पर सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं।

राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान 18 जुलाई को पूर्वान्ह 10 बजे से अपरान्ह 5 बजे तक निर्धारित है। मध्यप्रदेश विधान सभा भवन भोपाल में प्रदेश के सभी विधायक अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। मत अंकित करने के लिये भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रदत्त निर्धारित विशिष्ट पेन का उपयोग किया जाएगा। मतदान के दौरान विधानसभा परिसर में मीडिया कवरेज हेतु भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मीडिया प्रतिनिधियों को प्राधिकार-पत्र जारी किए जा रहे हैं। मतदान के पश्चात् मतपेटी उसी दिन 18 जुलाई को कड़ी सुरक्षा के साथ राज्य सभा सचिवालय नई दिल्ली ले जाकर रिटर्निंग अधिकारी को सौंपी जाएगी। मतपत्रों की गणना 21 जुलाई को नई दिल्ली में की जाएगी।

पंचायत चुनाव में हार के बाद प्रत्याशी ने वोटरों को धमकाया

नीमच।
मध्य प्रदेश में पंचायत चुनाव के कई रंग देखने को मिले। अब इस चुनाव में हारने वाले एक प्रत्याशी पर इसलिए केस दर्ज किया गया है क्योंकि वो लोगों को धमका कर उनसे पैसे मांग रहा था। हारे प्रत्याशी का कहना था कि, जो पैसे उसने चुनाव से पहले बांटे थे वो पैसे उसे वापस चाहिए। मामला नीमच का है।

बुधवार को पुलिस ने बताया कि, इस युवक पर केस दर्ज किया गया है क्योंकि वो चुनाव हारने के बाद चुनाव से पहले बांटे गए पैसे लेने के लिए लोगों को धमकी दे रहा था। हारे हुए कैंडिडेट का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। युवक की पहचान राजू दायमा के तौर पर हुई है।

राजू ने मनसा तहसील के देवरन गांव में पंचायत का चुनाव लड़ा था लेकिन उसे हार का सामना करना पड़ा है। वायरल वीडियो में वो लोगों से पैसे मांगते नजर आ रहा है।

इस मामले में पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की धारा 323, 294 और 506 के तहत केस दर्ज किया है। एएसपी सुंदर सिंह कालेश ने मीडिया को बताया कि, राजू और उसके सहयोगी कन्हैया बंजारा के खिलाफ रामपुरा पुलिस स्टेशन में लोगों को धमकाने और उनकी पिटाई करने के मामले में यह केस दर्ज हुआ है।

पुलिस का कहना है कि, पैसे बांटने के आरोप में युवक पर अन्य चार्ज भी लगाए जा सकते हैं। पुलिस का यह भी कहना है कि, ऐसा अंदेशा है कि इस वीडियो को पिछले हफ्ते बनाया गया है।

बहन बोलकर भाई ने भाई-बहन के रिश्ते को किया शर्मशार

खंडवा।
जिले में एक शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। खंडवा के नर्मदा नगर क्षेत्र में दो महिलाओं को बहन (जीजी) बोल कर लिफ्ट देने वालों ने ही उनके साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। दुष्कर्म के बाद दोनों महिलाएं थाने पहुंचीं और पुलिस को अपनी आपबीती सुनाई। नर्मदा नगर पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

खंडवा जिले की पुनासा पुलिस चौकी क्षेत्र में नवलगांव-रिछफल के बीच जंगल में महिलाओं के साथ रेप किया गया। घटना सोमवार दोपहर की बताई जा रही है। दो महिलाएं नलगांव से रिछफल पैदल जा रही थीं। रास्ते में गुजरखेड़ी के पास दो युवक बाइक से आए। उन्होंने रुककर महिलाओं से पूछा जीजी (बहन) आप कहां जा रही हैं। महिलाओं के बताने पर उन्होंने कहा हम भी उधर ही जा रहे हैं। बाइक पर बैठ जाओ हम छोड़ देंगे। जीजी संबोधन सुन महिलाओं ने विश्वास किया और बाइक पर बैठ गईं। दोनों युवक महिलाओं को जंगल में अज्ञात स्थान पर ले गए और डरा-धमकाकर दुष्कर्म किया। पीड़ित महिलाएं सोमवार शाम को ही पुनासा पुलिस चौकी पहुंची।

यहां जिम्मेदार अधिकारी नहीं होने से स्टाफ उन्हें नर्मदानगर थाने ले गया। टीआई जगदीश सिध्या ने महिलाओं द्वारा बताए गए हुलिए और स्थान के आधार पर राज ढाबा व मुंढई के आसपास छानबीन की। ग्रामीणों से पूछताछ की लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। मंगलवार सुबह फिर पुलिस टीम मुंढई के आसपास ग्रामीणों से पूछताछ करने पहुंची। इसके बाद दो संदिग्धों को थाने लाया गया। महिलाओं से सामना कराने पर उनकी पहचान हो गई।

नर्मदा नगर थाना प्रभारी जगदीश सिंधिया ने बताया कि, पीड़ित महिलाओं की शिकायत के बाद हमने आरोपियों की तलाश शुरू की। हमे मुखबिर की सूचना पर दो संदिग्धों को गिरफ्त में लेकर पूछताछ की। जब महिलाओं से इनकी शिनाख्त करवाई तो महिलाओं ने इन्हें पहचान किया। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी अजय भील औरचंदू भील को गिरफ्तार कर लिया दोनों ही मुंढई ग्राम के निवासी है। आरोपियों के खिलाफ धारा 376 सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है।

16 वीं बार भारत-चीन के बीच होगी कोर कमांडर स्तर की वार्ता

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारत और चीन के बीच 17 जुलाई को सैन्य वार्ता होने वाली है। यह कोर कमांडर स्तर की 16वें चरण की बातचीत होगी। भारत की तरफ से इसमें लेफ्टिनेंट जनरल ए सेनगुप्ता भाग लेंगे। पूर्वी लद्दाख में फ्रिंक्शन पॉइंट से डिसइंगेजमेंट को लेकर इसमें बातचीत हो सकती है। इससे पहले ऐसी मीटिंग 11 मार्च हो हुई थी। बता दें कि, लद्दाख की सीमा पर 2020 में जो टकराव शुरू हुआ था वह अब तक खत्म नहीं हुआ है। इस इलाके में तनाव बना ही रहता है।

5 मई 2020 को पैंगोंग लेक इलाके में भारत और चीन की सेना के बीच टकराव हो गया था। इसके बाद 15 जून को गलवान घाटी में टकराव के बाद तनाव और बढ़ गया। तब से अब तक फ्रिक्शन पॉइंट से सेना हटाने को लेकर दोनों देशों में सहमति नहीं बन पाई है। एक दिन पहले ही विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि, दोनों देशों के बीच में इस मुद्दे का हल केवल बातचीत के जरिए ही निकल सकता है।

उन्होंने आगे कहा, पिछले दो वर्षो में यह स्पष्ट हो गया है कि, हम एक तरफा सेना नहीं हटाएंगे। जब तक चीन भी साथ नहीं देता यथास्थिति बनी रहेगी। बता दें कि, टकराव के बाद से दोनों ही देशों ने इस इलाके में 10 हजार से ज्यादा सैनिक और हथियार तैनात कर रखे हैं। पिछले वर्ष बातचीत के बाद दोनों देशों ने पैंगोंग लेक के उत्तरी और दक्षिणी इलाकों में सेना हटाई थी। दोनों ही देशों के 50 से 60 हजार सैनिक एलएसी के संवेदनशील इलाकों में तैनात हैं।

भारतीय सेना के प्रवक्ता के मुताबिक 15वें दौर की वार्ता में यथा स्थिति बनाए रखने पर ही सहमित बन पाई थी। यह वार्ता चुशुल मोल्दो में हुई थी। इस बार की वार्ता किस ओर होगी यह स्पष्ट नहीं है।

18 वर्ष से ऊपर के लोगों को मुफ्त में लगेगी बूस्टर डोज

नई दिल्ली।
देश में 18 वर्ष से ज्यादा आयुवर्ग के लोग सरकारी टीकाकरण केंद्रों पर कोविड टीके की ऐहतियाती (तीसरी खुराक) मुफ्त लगवा सकेंगे। बुधवार को कैबिनेट बैठक में यह फैसला लिया गया। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी दी। मुफ्त ऐहतियाती खुराक 75 दिन के एक विशेष अभियान के तहत दी जाएगी। इसकी शुरुआत 15 जुलाई से होगी। उन्होंने बताया कि अब तक 199 करोड़ 60 हजार टीकाकरण हुआ है।

अनुराग ठाकुर ने कहा, भारत आजादी के 75 वर्ष मना रहा है। आजादी का अमृत काल के अवसर पर एक निर्णय ये भी लिया गया है कि 15 जुलाई से अगले 75 दिनों तक 18 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों को मुफ्त में बूस्टर डोज दी जाएगी। अभी तक 18 से 59 वर्ष की 77 करोड़ पात्र आबादी में से एक प्रतिशत से भी कम को ऐहतियाती खुराक दी गई है। हालांकि 60 वर्ष से अधिक उम्र के लगभग 16 करोड़ लोगों तथा स्वास्थ्य कर्मियों एवं अग्रिम मोर्चे के कर्मियों में से करीब 26 प्रतिशत लोग बूस्टर खुराक ले चुके हैं।

इसके अलावा उन्होंने बताया कि, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने तरंगा हिल-अंबाजी-आबू रोड को रेलवे नेटवर्क से जोड़ने की मंजूरी दी है। 116 किमी की ये नई रेलवे लाइन मात्र 4 साल में बनकर तैयार हो जाएगी और इसमें 2 हजार 798 करोड़ रुपए खर्च होंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस नई रेलवे लाइन से गुजरात और राजस्थान के सीमांत क्षेत्र में रहने वाले नागरिकों को सुविधा मिलेगी। राजस्थान और गुजरात के महत्वपूर्ण स्थान को इससे जोड़ने का काम किया जाएगा। गुजरात के वडोदरा स्थित गतिशक्ति विश्विद्यालय को डीम्ड यूनिवर्सिटी का दर्जा मिलेगा।

एयरपोर्ट से 45 पिस्टल समेत पति-पत्नी गिरफ्तार

नई दिल्ली।
राजधानी दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने बुधवार को असलहा तस्करी का फर्दाफास करते हुए 45 पिस्टल बरामद किया है। अधिकारियों ने असलहों के साथ दो भारतीय नागरिकों को भी गिरफ्तार किया है। नागरिकों को पास से बरामद बंदूकें असली है या नहीं, इसकी जांच की जा रही है। बरामद असलहलों की जांच कर रही राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि, बंदूकें पूरी तरह से असली लग रही हैं।

गिरफ्तार किए गए दोनों लोगों की पहचान जगजीत सिंह और जसविंदर कौर के रूप में हुई है, जो पति-पत्नी हैं। दंपति 10 जुलाई को वियतनाम से भारत लौटा था। अधिकारियों ने जगजीत सिंह को दो ट्रॉली बैग में पिस्टल के साथ पकड़ा था, जो उसे उसके भाई मंजीत सिंह ने दिया था।

वियतनाम में दिया था बैग

मनजीत सिंह को कथित तौर पर हथियारों से भरा बैग पेरिस और फ्रांस का दौरा करने वाले जगजीत सिंह ने वियतनाम में दिया है। बरामद बंदूकों की कुल कीमत 22 लाख 50 हजार रुपए आंकी गई है। दोनों आरोपियों ने स्वीकार किया है कि इससे पहले वो तुर्की से 25 पिस्तौल भारत लाए थे। फिलहाल इस मामले में आगे की जांच जारी है।

राम सेतु को लेकर 26 जुलाई को होगी सुनवाई

नई दिल्ली।
भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी की याचिका पर राम सेतु को राष्ट्रीय स्मारक घोषित किए जाने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में 26 जुलाई को सुनवाई होगी। याचिका में न्यायालय से केंद्र सरकार को 'रामसेतु' को राष्ट्रीय विरासत स्मारक घोषित करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। स्वामी की तरफ से कहा गया कि सुप्रीम कोर्ट में प्रस्तुत किए जाने के बाद कि यह मुद्दा लंबे समय से लंबित है और तत्काल सुनवाई की आवश्यकता है।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने 'रामसेतु' को धरोहर घोषित करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई के लिए 26 जुलाई का दिन तय किया है। मुख्य न्यायाधीश एनवी रमण, न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी और न्यायमूर्ति हिमा कोहली की एक पीठ ने स्वामी की ओर से दाखिल याचिका पर गौर किया, जिसमें इस मामले को सुनवाई के लिए तत्काल सूचीबद्ध करने का अनुरोध किया गया था।

राम सेतु, तमिलनाडु के दक्षिण-पूर्वी तट पर पंबन द्वीप और मन्नार द्वीप के बीच बनी एक श्रृंखला है। रामसेतु को आदम का पुल भी कहा जाता है। हालांकि केंद्र सरकार राम सेतु मामले पर अपना रुख स्पष्ट कर चुकी है। सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल कर सेतु समुद्रम परियोजा और राम सेतु के बारे में बताया था।

सरकार की तरफ से कहा गया था कि, समुद्र में जहाजों की आवाजाही को आसान बनाने के लिए प्रस्तावित सेतु समुद्रम परियोजना के लिए राम सेतु को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया जाएगा। परियोजना के लिए सरकार कोई दूसरा वैकल्पिक रास्ता तलाशेगी।

मामले में भाजपा नेता स्वामी ने कहा है कि, वह मुकदमे का पहला दौर जीत चुके हैं, जिसमें केंद्र ने रामसेतु के अस्तित्व को स्वीकार किया था। उनके मुताबिक संबंधित केंद्रीय मंत्री ने इस मांग पर विचार करने के लिए 2017 में एक बैठक बुलाई थी, लेकिन उसके बाद कुछ नहीं हुआ।

स्वामी ने विवादास्पद 'सेतुसमुद्रम परियोजना' के खिलाफ अपनी जनहित याचिका में राम सेतु को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करने का मुद्दा उठाया था। स्वामी ने अपनी याचिका में सुप्रीम कोर्ट से एक आदेश पारित करने और राष्ट्रीय स्मारक प्राधिकरण के साथ राम सेतु को राष्ट्रीय महत्व का एक प्राचीन स्मारक घोषित करने का निर्देश देने का आग्रह किया है।

सिंगल यूज पॉलिथीन प्रतिबंध को लेकर डोर टू डोर कैंपेन जारी

बुधवार को अभियान चलाकर शहर के प्रतिष्ठानों से कुल 4 किलो अमानक स्तर का पॉलिथीन किया जप्त

: सिंगल यूज प्लॉस्टिक उपयोग करने वाले विक्रेताओं पर प्रशासन कस रहा शिकंजा।

: फल विक्रेता से पॉलीथीन जप्त करते प्रशासनिक दल।

माही की गूंज, झाबुआ।

नगर पालिका झाबुआ द्वारा सिंगल यूज पॉलिथीन प्रतिबंध को लेकर एक टीम का गठन किया गया है। जिसके द्वारा सतत शहर में भ्रमण कर अमानक स्तर की पॉलिथीन जप्ती के साथ पॉलिथीन का उपयोग करने वालों पर अर्थदंड भी आरोपित किया जा रहा है। अभियान के तहत ही 13 जुलाई, बुधवार को नपा द्वारा कैंपेनिंग कर शहर के प्रतिष्ठानों से कुल 4 किलोग्राम पॉलिथीन जप्त की गई। नगरपालिका की प्रदूषण विभाग के साथ यह कार्रवाई आगामी दिनों में भी जारी रहेगी।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी एलएस डोडिया ने बताया कि उक्त टीम द्वारा व्यवसायिक क्षेत्रों मे बड़े एवं छोटे दुकानदारों को 100 माइक्रोन से कम छोटी पॉलिथीन तथा सिंगल यूज प्लास्टिक का निर्माण, विक्रय एवं उपयोग तथा परिवहन पर रोक लगाने सबंधी जागरूक किया जा रहा है। यह जन जाग्रति अभियान डोर टू डोर चल रहा है। इस बीच बुधवार को भी दल द्वारा कई प्रतिष्ठानों, जिसमें स्थायी दुकानों में होटल, रेस्टोरेंट, किराना, एव्हरफ्रेश, कपड़ा के साथ अस्थायी दुकानों में फल-फ्रुट ठेलागाडियों पर जांच कर कुल 4 किलोग्राम अमानक स्तर की पॉलिथीन जप्त की गई।

जारी रहेगा अभियान

नपा सीएमओ एलएस डोडिया ने बताया कि प्रदूषण विभाग एवं नगर पालिका के संयुक्त दल का यह कैंपेन आगामी दिनों में भी सत्त जारी रहेगा। दल मे नगरपालिका के स्वच्छता निरीक्षक सूर्यप्रकाश दूबे, सहायक राजस्व निरीक्षक आशीष भाबर, पंकज सोलंकी, मोनू बसोड, किशोर एवं सुनील आदि विशेष सहयोग प्रदान कर रहे है। नपा सीएमओ डोडिया ने समस्त शहरवासियों से अपील की है कि कोई भी स्थायी एवं अस्थायी दुकानदारों के साथ आम नागरिक भी सिंगल यूज प्लास्टिक का ना तो उपयोग करे और ना ही इसका विक्रय करे। प्रशासन के इस अभियान में पूर्ण सहयोग प्रदान कर सहभागी बने।

आर्टिजन कार्ड का किया गया वितरण

माही की गूंज, थांदला। स्वास्तिक हैंडीक्राफ्ट वूमेन वेलफेयर ऐसोसिएशन समिति उज्जैन (एसएचडब्ल्यूडब्ल्यूएएस) की कोषाध्यक्ष अंजलि तुषार भट्ट द्वारा डीसी हैंडीक्राफ्ट वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार द्वारा बनाए गए आर्टिजन कार्ड का वितरण थांदला में किया गया। यह सभी आर्टिजंन झाबुआ, मेघनगर और थांदला में डॉल मेकिंग तथा बीड ज्वेलरी निर्माण से जुड़े हुए हैं। इन सभी को डीसी हैंडीक्राफ्ट एवं एमएसएमई द्वारा चलाई जाने वाली सभी योजनाओं की जानकारी अंजलि भट्ट द्वारा दी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती कल्पना आचार्य, अरुणा भट्ट तथा सिमा शाहजी द्वारा की गई। इस कार्यक्रम में टिना कोठारी, रेखा शर्मा, रंजना भट्ट, कीर्ति आचार्य, अर्चना भट्ट, जयश्री पाठक, स्वाति आचार्य, कल्पना आचार्य आदि उपस्थित थे।

रिडेंसीफिकेशन के संबंध में बैठक सम्पन्न

माही की गूंज, शाजापुर। जिला मुख्यालय पर स्थित शासकीय भूमि का रिडेंसीफिकेशन करने के उद्देश्य से कलेकटर दिनेश जैन की उपस्थिति में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती मंजूषा विक्रांत राय, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण रविन्द्र वर्मा, हाउसिंग बोर्ड एनके गुप्ता, तहसीलदार सुनील जायसवाल भी मौजूद थे।

बैठक में लोक निर्माण विभाग के पुराने भवन के रिडेंसीफिकेशन के संबंध में चर्चा हुई। कलेक्टर ने उक्त भवन के स्थान पर व्यवसायिक काम्प्लेक्स बनाने के लिए प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही कलेक्टर ने उक्त भवन में लगने वाले कार्यालयों के अन्यत्र भूमि उपलब्ध कराकर भवन बनाकर देने के लिए प्लान बनाने के निर्देश हाउसिंग बोर्ड के कार्यपालन यंत्री को दिए।

पालकी में सवार होकर शहर भ्रमण पर निकले साईनाथ महाराज

झाबुआ के डीआरपी लाईन स्थित साई मंदिर पर गुरू पूर्णिमा पर सजा बाबा का दरबार

बैंड-बाजों और ढोल -ढमाकों के साथ नगर भ्रमण पर निकली साई पालकी।

माही की गूंज, झाबुआ।

शहर के डीआरपी लाईन स्थित साई मंदिर में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी गुरूपूर्णिमा पर्व हर्षोल्लासपूर्वक एवं आस्था तथा श्रद्धा के साथ मनाया गया। प्रातःकाल साई बाबा का अभिषेक, श्रृंगार के साथ शाम को मंदिर से पालकी निकाली गई। पालकी में सवार होकर साईनाथ महाराज ने शहर भ्रमण किया। ढोल-ताशों से पूरा शहर भी गुंजायमान हुआ। संपूर्ण आयोजन युवा साई सेवा समिति द्वारा किए गए।

मंदिर के सेवक दिनेशपुरी गोस्वामी ने बताया कि गुरूपूर्णिमा के उपलक्ष में प्रातःकाल 6 बजे बाबा की प्रतिमा का पंचामृत से अभिषेक कर श्रृंगार किया गया। बाद मंगला आरती की गई। मंदिर में स्थापित साईनाथ महाराज की प्रतिमा का सुंदर एवं मनमोहक श्रृंगार कर पूरे मंदिर को भी फूल-पत्तियों से सुंदर रूप से सुज्जित किया गया। दिनभर मंदिर में बाबा के दर्शन-पूजन के लिए भक्तों का आना-जाना लगा रहा। मंदिर में साईनाथ महाराज के जयकारे दिनभर गूंजायमान हुए।

ढोल-ताशों के साथ निकली साई पालकी

शाम करीब 5 बजे मंदिर से साई पालकी निकाली गई। जिसमें आगे बैंड-बाजों पर धार्मिक गीतों की प्रस्तुति दी गई। इसके पीछे ढोल-ताशे और साई पालकी को लेकर समिति के जुड़े युवा और भक्तजन लेकर चले। पालकी लेकर चलने के प्रति युवाओं में विशेष उत्साह नजर आया। साई बाबा के जयकारो के बीच पालकी ने शहर के विभिन्न मार्गो से भ्रमण किया। शोभायात्रा में महिला-पुरूषों ने भी बढ़-चढ़कर सहभागिता की। यात्रा में समिति से जुड़े युवाजन साफा पहनाकर एवं एक जैसी वेशभूषा में सम्मिलित हुए। देर शाम यह यात्रा पुनः मंदिर पर पहुंची।

मंदिर परिसर को रेडिमेड फूल-पत्तियों से सुंदर रूप से सजाया गया।

गेल इंडिया द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा अंतर्गत जन जागरूकता एवं निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

माही की गूंज, झाबुआ।

गेल (इंडिया) लिमिटेड झाबुआ, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय दिल्ली तथा वॉकहार्ड फाउंडेशन मुंबई के संयुक्त तत्वाधान में स्वच्छता पखवाड़ा अंतर्गत जागरूकता एवं निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन ग्राम इशगढ़ पिपलिया के शासकीय हाई स्कूल प्रांगण में किया गया।

शिविर में स्वास्थ्य एवं स्वच्छता संबंधी जानकारी देते हुए चिकित्सक एवं अधिकारीगण।

जिसमें स्कूली बच्चों और ग्रामीणजनों को सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने, व्यक्तिगत स्वच्छता, आसपास सफाई रखने, बच्चों के टीकाकरण एवं कोरोना बीमारी से संबंधित जानकारी दी गई। महिलाओं एवं किशोरी बालिकाओं को यौन बीमारियों से बचाव हेतु निःशुल्क सैनेटरी नैपकीन का वितरण किया। नागरिकों का स्वास्थ्य शिविर में स्वास्थ्य परीक्षण कर निःशुल्क दवाईयां भी प्रदान की गई।

यह रहे उपस्थित

संपूर्ण कार्यक्रम में गेल (इंडिया) लिमिटेड झाबुआ से पधारे मानव संसाधन विभाग के प्रमुख प्रेम रोहरा, श्रीमती निशा रोहरा, श्रीमती मीनूबाला वर्मा, राहिंग डामोर, डॉक्टर अक्षय, शाला के अध्यापकगण, वॉकहार्ड फाउंडेशन के टीम लीडर तेजेश्वर पांडे एवं समस्त मेडिकल स्टाफ उपस्थित रहा।

आज तय होगा सरपंच व जनपद सदस्यों का भविष्य, जिला पंचायत सदस्यों की घोषणा कल

कई सीटों पर संशय की स्थिति, भाजपा-कांग्रेस सहित जयस संगठन के जीत के दावे

माही की गूंज, पेटलावद।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के निपटने के बाद सभी ग्राम पंचायतों के पंचो, 77 सरपंचों और 25 जनपद सदस्यों की आधिकारिक धोषणा आज विधिवत की जाएगी। जबकि शुक्रवार 15 जुलाई को जिला पंचायत सदस्यों की घोषणा की जाएगी। विकास खण्ड की कई पंचायतो में सरपंच और कई जनपद सदस्यों की स्थिति साफ नही हुई है। एक ही सीट पर कई दावेदार जीत का दावा कर रहा है। कल होने वाली घोषणा की तैयारियां प्रशासन ने कर ली है।

एसडीएम शिशिर गेमावत ने बताया कि, पंच, सरपंच और जनपद सदस्यों की घोषणा होगी। जिला पंचायत सदस्यों की घोषणा झाबुआ से कल की जाएगी। ज्ञात हो कि, जिला पंचायत सहित जनपद की कई सीटों पर शंसय की स्थिति बनी हुई है और भाजपा, कांग्रेस सहित जयस संगठन द्वारा जीत के दावे किए जा रहे हैं। परिणाम के बाद ग्राम पंचायत उपसरपंच, जनपत अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष सहित जिला पंचायत अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के लिए बडे स्तर पर तैयारियां शुरु हो जाएगी।

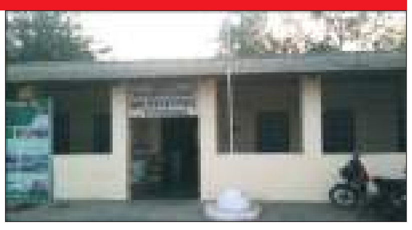

आज से शुरू होगी शिव महापुराण कथा

माही की गूंज, पेटलावद।

प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी नगर के श्री नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर पर शिव महापुराण की शुरुआत आज से होगी। उक्त जानकारी देते हुए मंदिर के पुजारी मनोहरदास बैरागी ने बताया कि, कथा श्रावण मास कृष्ण पक्ष प्रतिपदा की शुरुआत 14 जुलाई से होगी। कथा का वाचन पंडित प्रफुल्ल हरिकृष्ण शुक्ला द्वारा किया जाएगा। कथा प्रतिदिन 11 बजे से प्रारंभ होकर शाम 5 बजे तक चलेगी।

राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम समीक्षा के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय ने किया दौरा

माही की गूंज, पेटलावद।

मंगलवार को पेटलावद में संचालित राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम को कार्यो की समीक्षा के लिए भारत सरकार स्वास्थ्य मंत्रालय से डिप्टी कमिश्नर एवं उनके साथ आरबीएसके एवं आरकेएसके अधिकारी, पश्चिम बंगाल असम, कर्नाटक, तमिलनाडु अन्य राज्यों के अधिकारियों द्वारा पहले ग्राम मातापाडा एवं नयापुरा में किशोर स्वास्थ्य दिवस का दौरा किया। यहां का सारा कार्यक्रम देखने के बाद में सिविल अस्पताल पेटलावद में संचालित उमंग स्वास्थ्य केंद्र की विजिट की। परामर्शदाता नितेश पाटीदार से परामर्श प्रक्रिया के बारे में पूछा गया एवं रिपोर्ट एवं दस्तावेजों का निरीक्षण किया गया।

स्वर्गीय पुनमचंद्र मिस्त्री के जन्मदिवस पर मरीजों को किये फल वितरित

माही की गूंज, थांदला।

नगर के समाजसेवी स्वर्गीय पूनम चंद मिस्त्री का जन्मदिन सेवा दिवस के रूप में मनाया गया। जिसमें पूनम चंद्र मित्र मंडल एवं उनकी पत्नी पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष सुनीता वसावा के नेतृत्व में हॉस्पिटल में फल एवं बिस्किट का वितरण किया गया। साथ ही नगर के गरीब बस्तियों में भी सेवा कार्य के रूप में फलों का वितरण किया गया एवं गौमाता को हरी घास डाली गई। इस अवसर पर माया सोलंकी, सुनीता पंवार, विजया शर्मा, निरंजन पाठक, अनिल भंसाली, नटवर पंवार, समर्थ उपाध्याय, प्रंजल भंसाली, अविनाश गिरी, विवेक व्यास, सुनील पंडा, दिलीप डामोर, सचिन सोलंकी, विनीत शर्मा, विजय मिस्त्री तथा उनके पुत्र अनिमेष मिस्त्री आदि उपस्थित थे। उनकी धर्मपत्नी ने उनके कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लेते हुए कहा कि नगर में कोई भी सेवा कार्य हो उसमें वे पीछे नहीं हटेंगी और उनके पति स्वर्गीय मिस्त्री के सपनों को साकार करूंगी, यही उनका लक्ष्य है।

सच्चे सद्गुरू को पहचानना ही सच्ची गुरु पूर्णिमा मनाना है - बीके जयंती दीदी

गुरू पूर्णिमा पर बीके जयंती दीदी का किया गया सम्मान, विश्व शांति के लिए सभी ने किया मेडिटेशन

माही की गूंज, झाबुआ।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के स्थानीय सेवा केंद्र गोपालपुरा शिव स्मृति भवन पर गुरु पूर्णिमा पर्व खुशी, उमंग एवं उत्साह के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर ब्रम्हाकुमारी जयंती दीदी ने गुरु पूर्णिमा का महत्व स्पष्ट करते हुए अपने दिव्य उद्बोधन में कहा कि मनुष्य आत्मा जब जन्म लेती है, तो उसका परिवार उसके साथ होता है। लेकिन फिर भी जीवन में हर मनुष्य आत्मा को गुरु की आवश्यकता होती है, क्योंकि गुरु ही आत्मा को श्रेष्ठ मार्ग पर चलने का मार्गदर्शन प्रदान करता है। लेकिन गुरु से भी ऊपर है सद्गुरु जो आत्मा को गति और सद्गति प्रदान करता है। गुरु पूर्णिमा अर्थात अज्ञानता रूपी अंधियारे को मिटाने वाला सद्गुरु जब इस सृष्टि पर अवतरित होता है, तब अज्ञानता रूपी अंधियारा मिटने लगता है, क्योंकि परम सतगुरु शिव बाबा हम आत्मा को राजयोग द्वारा श्रेष्ठ कर्म का मार्ग बतलाते है। जिस राजयोग के पथ पर चलकर आत्मा पूनम के चांद के समान 16 कला संपूर्ण निर्विकारी बन जाती है। सतगुरु का हमारे जीवन में बहुत महत्वपूर्ण स्थान है, सद्गुरु शिव बाबा हम सभी को श्रेष्ठ देखना चाहते हैं, वह हम आत्माओं को राजयोग मेडिटेशन का रास्ता दिखाकर हम सभी से गुरु दक्षिणा में पांच विकार मांगते हैं।

गुरू के रूप में जयंती दीदी का किया गया अभिनंदन, सभी ने मेडिटेशन किया

इस अवसर पर उपस्थित ब्रह्माकुमारीज परिवार एवं पधारे हुए प्रबुद्ध नागरिकों ने बीके जयंती दीदी का साफा लगाकर पुष्प अर्पित कर उनका सम्मान किया एवं दीदी से आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान सभी ने मिलकर विश्व शांति एवं प्रकृति को शांत करने के लिए सामूहिक मेडिटेशन का अभ्यास कर अंत में ब्रह्माभोग भी स्वीकार किया। कार्यक्रम में ब्रह्मकुमार रमेश भाई, डॉ. गर्ग, एमएल फुलपगारे, चिराग भाई, बहादुर भाई राजेश भाई, संतोष भाई, जोगा भाई, भावना, कविता शारदा, नर्मदा, रमिला, दुर्गा बहन आदि उपस्थित थी।

ब्रम्हकुमारी परिवार एवं नागरिकों ने मिलकर गुरू पूर्णिमा पर बीके जयंती दीदी का सम्मान कर उनसे आर्शीवाद प्राप्त किया।

अवैध शराब कारोबार का सरगना, गांधी व मोदी के गृह राज्य में शराब ढोने वाला अलकेश बाकलिया गुजरात की सलाखों के अंदर पहुंचा

माही की गूंज, झाबुआ।

अलकेश बाकलिया वह नाम है जो अपने पिता चतरसिंह बाकलिया के साथ दाहोद (गुजरात) के अनास से पिटोल की शराब दुकान पर एक-एक, दो-दो पेटी लेने आता और अपने पिता के साथ राजदुत मोटरसाईकिल पर पीछे बैठ शराब की पेटी को पकड़ अनास गृह ग्राम तक ले जाता और एक-एक पव्वा बेच अपने पिता चतरसिंह व भाई राकेश के साथ बेचता था। राजदूत से चार पहिया वाहन से शराब ढो-ढोकर धीरे-धीरे इस मुकाम पर पहुंच गया की झाबुआ-अलीराजपुर के साथ आस-पास के जिलों व गुजरात में जमकर शराब ढो-ढोकर अलकेश बाकलिया अवैध शराब का सरगना बन गया।

एमपी व गुजरात का शराब का सरगना अलकेश बाकलिया गुजरात की जेल की सलाखो मे पहुचा।

माही की गूंज ने 24 मार्च 2022 के अंक में खुलासा किया था कि, किस तरह से गुजरात में मंत्री के काफिले की तरह शराब पहुचती है और गांधीनगर के विशेष दस्ते ने दाहोद के थाना क्षेत्र रापड़ाल के ग्राम चौपासा में झाबुआ- अलीराजपुर की सीमाओं से पहुंची शराब के 10 चार पहिया वाहनों पर की गई कार्यवाही एवं साथ ही खुलासा किया था कि, किस तरह गांधी व मोदी के गृह राज्य में शराबबंदी के बाद भी करोड़ों रुपए की शराब ढोई जाती है। वही रापड़ाल थाना क्षेत्र में पकड़ी गई एक साथ दस वाहनों की कार्यवाही के बाद किस तरह से अलकेश बाकलिया व मुकेश कटारा (नायक) बिल में छुप गए थे व माण्डली, राणापुर आदि गुजरात सीमा से लगी शराब दुकानों पर गुजरात पुलिस पहुंची और उनके गुर्गो को भी ले गई। अलकेश बाकलिया के जितने भी प्रकरण गुजरात में होना हम दर्शाएंगे शायद वह कम ही होगा। कई प्रकरण पुलिस से सांठ-गांठ कर अपने नाम रिकॉर्ड से हटा दिए की बात भी कही जाती है। लेकिन कहते हैं बकरे की अम्मा कब तक खैर मनायेगी इसी तर्ज पर माही की गूंज के खुलासों के बाद से गुजरात के गांधीनगर टीम अपनी खुफिया जानकारी के साथ अलकेश बाकलिया व मुकेश कटारा के साथ अन्य गुर्गो को गिरफ्त में लेने के लिए प्रयास में थी और वही प्रयास अलकेश बाकलिया को गुजरात की जेल की सलाखों में ले गई।

जानकारी अनुसार फिलहाल करीब 45 शराब के प्रकरण गुजरात में अलग-अलग थानों पर दर्ज कर वारंट के साथ गिरफ्तार किया। उक्त गिरफ्तारी के संबंध में कोई भी यह बताने के लिए तैयार नहीं की उसे किस स्थान से गिरफ्तार किया है। परंतु हमारी जानकारी अनुसार बताया जा रहा है, अलकेश बाकलिया को झाबुआ के किसी महिंद्रा शोरूम से धरदबोचा। अलकेश बाकलिया की गिरफ्तारी के साथ ही झाबुआ जिले की पुलिस पुरी तरह से चुप्पी साधे हुए है वही गुजरात में सीमा से सटे पुलिस थाने के अधिकारी भी हरकत में आ गए क्योंकि कई वारंट अलकेश बाकलिया के होने के बाद भी अलकेश को गिरफ्तार करने में असफल रहे थे।

वहीं उक्त गिरफ्तारी कार्रवाई भी गांधीनगर एवं वरिष्ठ टीम द्वारा ही घेराबंदी कर की गई। अब यही कयास लगाए जा रहे हैं कि, अलकेश बाकलिया की गिरफ्तारी के बाद अब वह किस तरह से अपनी जुगलबंदी के साथ कब तक बाहर आएगा व अलकेश बाकलिया की गिरफ्तारी के बाद मुकेश कटारा एवं अन्य गुर्गो की गिरफ्तारी गुजरात पुलिस करेगी या अलकेश बाकलिया अंदर जाने के बाद अपने गुर्गो को बचाने में कामयाब होगा.....?

आम आदमी पार्टी और जनजाति विकास मंच ने इंदौर में हुई युवक के साथ मारपीट के विरोध में सौंपा ज्ञापन

माही की गूंज, पेटलावद।

इंदौर के तेजाजी नगर थाना अंतर्गत ग्राम नायता मुंडला में अलीराजपुर के एक युवक पंकज गाडरिया जो मुस्लिम मकान मालिक के मकान में किराए से रह कर अपनी दो बहनों के साथ प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी हेतु रह रहा था। बकरीद के 1 दिन पूर्व 9 जुलाई को मकान मालिक आदिल खान पंकज को बकरा खरीदने के बहाने बाजार मे ले गया और धोखे से एक कमरे में ले जाकर अपने साथी सद्दाम पटेल, नाजिम खान, सलमान खान आदि के द्वारा बुरी तरह पाईप व लात घुसों से अमानवीय और बेरहमी से पिटाई की गई। झूठे आरोप कबूलवाकर वीडियो बनाया गया और पंकज को धमकी देते हुए असामाजिक तत्वों द्वारा कहा गया कि, यह घटना किसी को बताई तो तुझे जान से मार देंगे।

उसके बाद पंकज गाडरिया द्वारा अपनी बहनों व दोस्तों को बताया उसके बाद स्थानीय तेजाजी नगर थाना में जाकर रिपोर्ट दर्ज करवाई लेकिन उचित धाराओं में कार्रवाई न करते हुए पुलिस प्रशासन ने सिर्फ औपचारिकता निभाई। इस घटना को लेकर मंगलवार को आम आदमी पार्टी और बुधवार को जनजाति विकास मंच पेटलावद के बैनर तले जनजाति समाज के युवा साथियों द्वारा राज्यपाल के नाम पेटलावद एसडीएम शिशिर गेमावत आईएएस को ज्ञापन सौंपा गया। इस अवसर पर जिला प्रमुख गौरसिंह कटारा, तेजमल सोलंकी, कांतिलाल डामर, राजू निनामा, राजेन्द्र काग, आशिष बाविस्कर, लालसिंह सोलंकी, संतोष मैडा, कांतिलाल खराड़ी, गुड्डू भगत, ईश्वर कलारा, राजू निनामा, अमरसिंह निनामा, कालुसिंह निनामा आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे। ज्ञापन का वाचन रमेश डामर ने किया।

गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर हरिहर आश्रम एवं श्री कृष्ण कामधेनु गौशाला पर हुआ भव्य आयोजन

माही की गूंज, बनी। ऋषभ गुप्ता

मनुष्य जीवन में गुरु का होना बहुत आवश्यक है। कहते हैं, गुरु के बगैर जीवन के सारे सार बेकार है। अपने जीवन को सार्थक बनाने के लिए गुरु का होना बहुत जरूरी है और गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर गुरु का आशीर्वाद लेना चरण स्पर्श करना जीवन को सफल बनाने के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। मनुष्य जीवन को सार्थक बनाने के लिए ही हमारे हिंदू शास्त्रों में गुरु को भगवान की तरह सम्मानजनक स्थान दिया गया है। गुरु के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा को विशेष पर्व मनाया जाता है। गुरु अपने आप में पूर्ण होते हैं अतः गुरु पूर्णिमा को उनकी पूजा का विधान स्वाभाविक है।

गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर ग्राम बनी में स्थित हरिहर आश्रम एवं श्री कृष्ण कामधेनु गौशाला पर गुरु पूर्णिमा का भव्य आयोजन रखा गया। आश्रम के संस्थापक डॉक्टर देवेंद्र शास्त्री द्वारा श्री यंत्र पूजन एवं हरिहर यज्ञ के बाद कल्याण वृष्टि का पाठ विद्वान पंडितों द्वारा किया गया।

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गुरु के द्वारा अपने प्रवचन में बताया कि, भारतीय संस्कृति में पुरातन काल से ही गुरु को आदर सम्मान देने की परंपरा है गुरु को हमेशा से ही ब्रह्मा, विष्णु और महेश के समान पूज्य माना जाता है। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर सुबह 7 बजे पादुका पूजन और कल्याण वृष्टि स्तवन 9 बजे तत्पश्चात कपिला, कामधेनु और नंदी का पूजन कर भोजन प्रसादी प्र दान कर ललिता महायज्ञ तत्पश्चात प्रवचन का आयोजन रखा गया उसके बाद प्रसादी वितरित की गई। गुरु पूर्णिमा पर्व पर गुजरात, महाराष्ट्र से भी कई गुरु भक्तों ने आकर गुरु देव के चरणों को स्पर्श कर आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम में नवनिर्वाचित जिला पंचायत सदस्य अजमेर सिंह भूरिया झाबुआ और अजीत पाल सिंह चौहान जिला पंचायत सदस्य तिरला धार ने भी आकर गुरुदेव के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद ग्रहण किया। गुरु पूर्णिमा के पर्व पर कई गुरु भक्तों ने गुरु दीक्षा अपनी धर्म पत्नी के साथ ग्रहण की एवं कई भक्तों ने भाई-बहन के पवित्र धर्म की रक्षा के लिए भाई-बहन बनने की दीक्षा ग्रहण की। इस शुभ अवसर पर समस्त विद्या साधक परिवार एवं श्री नारायण भक्ति संघ का विशेष योगदान रहा।

गुरु के चरणों में भक्त हुए नतमस्तक, धूमधाम से मना गुरु पूर्णिमा का पर्व

माही की गूंज, पेटलावद। ''कोई जानेगा जानन हारा साधु गुरु बिन जग अंधियारा'' अर्थात संसार में गुरु न होते तो पूरा जग अंधेरा मय होता। गुरु ही है जो मनुषत को अंधेरे से प्रकाश की ओर ले जाते है। इसलिए गुरु की उपाधि सर्वश्रेष्ठ मानी जाती है। गुरु के लिए गुरु पूर्णिमा का महत्व ही अलग है। इसलिए इस दिन को खास दिन के रूप में मनाया जाता है। बुधवार को गुरु पूर्णिमा महोत्सव क्षेत्र में बड़ी धूमधाम के साथ मनाया गया। शहर के विभिन्न स्थानों पर गुरु पूर्णिमा को लेकर आयोजन हुए। पेटलावद के साईं मंदिर मे मंगलवार रात्रि को सुंदरकांड का आयोजन किया गया। रात्रि में लोगों बड़ी संख्या में सुंदरकांड में शामिल हुए। बुधवार सुबह 10 बजे साईं मंदिर से नन्ही बालिकाओं द्वारा कलश यात्रा निकाली गई। बैंड बाजों के साथ निकली कलश यात्रा में बड़ी संख्या में शहरवासी शामिल हुए। वही साईं बाबा को बग्गी में विराजमान कर नगर भ्रमण करवाया गया। कलश यात्रा साईं मंदिर से होती हुई श्रद्धांजलि चौक, सीरवी मोहल्ला, झंडा बाजार से होती हुई पुनः साईं मंदिर पहुंची। कलश यात्रा के दौरान हल्की बारिश भी हो रही थी लेकिन चलती बारिश में बालिकाएं उत्साह के साथ कलश यात्रा में चल रही थी। कलश यात्रा साईं मंदिर पर पहुंची जहां साईं बाबा की महाआरती उतारी गई। आरती के बाद भंडारे का आयोजन भी साईं मित्र मंडल द्वारा किया गया। ऐसे ही आयोजन शहर के श्री राम शरणम, रामदेवजी मन्दिर, आशाराम बाबू आश्रम, राम मंदिर सहित अनेकों मंदिर में किये गए। शहर के अनेक स्थानों पर भगवान के साथ अपने गुरु की पूजा अर्चना कर यात्राएं भी निकाली। शहर के विभिन्न स्थानों पर भंडारे का आयोजन भी किया गया जिसमें भक्तों ने महा प्रसादी का लाभ लिया। लोग इस दिन अपने गुरु की पूजा करते हैं, उनसे आशीर्वाद प्राप्त कर अपने जीवन को सफल मानते हैं। गुरुपूर्णिमा के अवसर पर नगर सहित आसपास के ग्रामो में भी कई स्थानों पर गुरु पूर्णिमा पर आयोजन किये हैं जहाँ गुरु भगतो की लंबी कतार सुबह से लगी रही।

जिले में 15 हजार पौधों का किया जाएगा रोपण, एबीवीपी ने पोस्टर का किया अनावरण

विकास खण्ड में 25 सो पौधों का लक्ष्य, शुरू किया वृक्ष मित्र का पंजीयन

माही की गूंज, पेटलावद। मंगलवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने एसएफडी प्रकल्प के नियमित देश भर में एक करोड़ पौधरोपण अभियान के पोस्टर का विमोचन किया। विमोचन में झाबुआ विभाग संगठन मंत्री राकेश सहरिया ने अभियान की जानकारी दी कि, विकास के पथ पर अग्रसर होते हुए मनुष्य द्वारा व्रक्षों के दोहन से हमे पर्यावरणीय असंतुलन का सामना करना पड़ रहा है। इसे रोकने व कम करने के लिए हम एक साथ एक कदम उठाए और एक करोड़ पौधरोपण करे। मालवा प्रांत में ढाई करोड़ पौधरोपण और पंद्रह हज़ार झाबुआ जिले में पौधरोपण करेंगे। इस दौरान वृक्ष मित्र पोस्टर के विमोचन किया गया। जिसमे शा. महावीर महाविद्यालय पेटलावद के प्राचार्य कांतु डामोर, एबीवीपी से घनश्याम बैरागी जिला संयोजक, प्रताप कटारा, निलेश गणावा, जिला सह संयोजक व भाग विद्यार्थी विस्तार रोहीत सिंह सेंधव, राहुल परमार कालेज केम्पस अध्यक्ष, रोहित परमार मंत्री, नगर सह मंत्री खुशी चरपोटा, पवन हटिला, सह मंत्री हरी ओम शर्मा, पंकज मालवीय व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे और वृक्षारोपण के लिए वृक्ष मित्र पंजीयन किया।

पेटलावद विकास खण्ड में रोप जाएगे 25 सौ पौधे

एबीवीपी के प्रताप कटारा ने बताया कि, पेटलावद विकास खण्ड में लगभग 25 सौ पौधे रोपै जाएँगे। जिसके लिए तैयारियां शुरू कर दी गैई है और हमारा लक्ष्य है कि पौधों को वृक्ष बनाकर बिगड़ते पर्यावरण को संतुलित करना है। इसके लिए वृक्ष मित्र के पंजीयन किये जा रहे हैं जो इन पौधों की सुरक्षा और देख रेख का जिम्मा लेंगे।

मुझे उपसरपंच में वोट दो, मुझे अपने परिजनों को पंचायत से उपकृत करना है

पंचायत चुनाव निपटने के बाद अब शुरू हुई उपसरपंच बनने की कवायद

माही की गूंज, बामनिया। गौरव भंडारी

यहां ग्राम पंचायत का एक पंच जो पिछली बार की चुनी हुई बॉडी में पंच रहा था। जो येनकेन प्रकार से झूठे वादों से पंच बना। सबसे पहले उसके पिछले कार्यकाल पर नजर दौड़ाए तो कभी उसने अपनी जेब से एक रुपया वार्ड के रहवासियों पर खर्च नहीं किया। लोग पानी के लिए परेशान होते रहे और और पंच साहब बेफिक्र घूमते रहे। पूरे पांच साल वार्ड में विकास शून्य रहा और जब अगला चुनाव लड़ने की बारी आई तो उस वार्ड को छोड़कर भागना पड़ा। उस वार्ड के निवासी उसकी हकीकत जान गए थे, लेकिन यहां पंच ने वार्ड बदल कर चुनाव लड़ा और पराए घोड़े पर तीरथ करने वाली कहावत चरितार्थ करते हुए गांव के भोले-भाले मतदाताओं को भृमित कर चुनाव जीतने में कामयाब रहा। वह अब उपसरपंच बनने के लिए तड़फ रहा है, लेकिन इसके उपसरपंच बनने के पीछे का उद्देश्य गांव का विकास नहीं है। क्योंकि अगर विकासवादी सोच होती तो पिछले पांच साल में जिस वार्ड से पंच रहा वहीं काम करवाए होते। उद्देश्य था जमकर भ्रष्टाचार करना और जो चुनावी खर्च हुआ उसकी वसूली पंचायत से करना। पंच रहते हुए इसने ग्राम पंचायत बामनिया में महिला सरपंच को बरगलाया तथा अपने परिजन के बिल भी लगाए और गांव के विकास की राशि को जमकर लूटा।

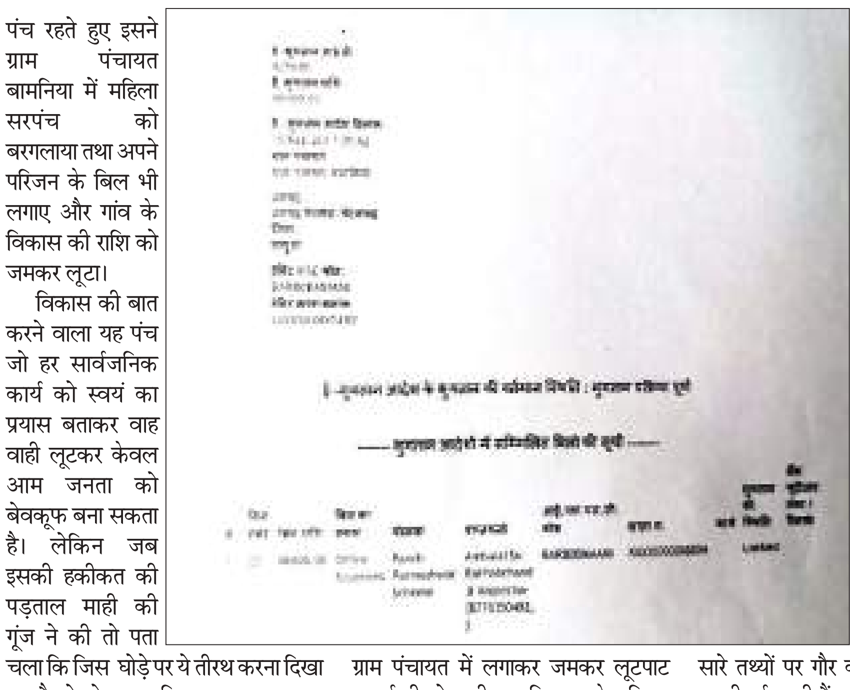

विकास की बात करने वाला यह पंच जो हर सार्वजनिक कार्य को स्वयं का प्रयास बताकर वाह वाही लूटकर केवल आम जनता को बेवकूफ बना सकता है। लेकिन जब इसकी हकीकत की पड़ताल माही की गूंज ने की तो पता चला कि जिस घोड़े पर ये तीरथ करना दिखा रहा है वो तो पराया निकला। असल काम करने वाले लोग तो दूसरे है ये तो इन सबकी आड़ में जमकर चांदी काट रहा है। इस पंच पद की आड़ लेकर अपने परिजनों के बिल ग्राम पंचायत में लगाकर जमकर लूटपाट मचाई थी। ऐसा ही एक बिल इसके परिजन जो गांव में किराना दुकान चलाते हैं के नाम का मिला। पंचायत ने अंबालाल पिता रखबचन्द वागरेचा के नाम से 48,400 रुपये का भुगतान भी किया। जिसमें पंच परमेश्वर योजना के तहत ऑफिस एक्सपेंस कार्य करना दर्शाया गया।

अब ये समझ से परे हैं कि एक किराना दुकान व्यवसायी जो कभी किसी सरकारी दफ्तरों में नहीं देखा गया। उसने आखिर क्या ऑफिस एक्सपेंसेस का क्या काम किया होगा। जिसके नाम पर पंचायत ने भुगतान किया वह एक किराना दुकानदार है। उसने 48,400 रुपये का क्या काम किया होगा। सारे तथ्यों पर गौर करने पर शक की सुई घूमती हुई आती हैं उस पंच पर। जो भतीजा है इस किराना दुकानदार का। जो बहरूपिये की तरह अलग-अलग भेष में अलग-अलग रूप में अपने आपको जनता के सामने ले जाता हैं। उसी के भ्रष्टाचार के फलीभूत इस कार्य को अंजाम दिया गया है।

महत्वकांक्षी पंच महोदय ने अपनी लालच की भेंट अपने परिजनों को चढ़ाते वक्त ये नहीं सोचा कि नीचे वाले अनदेखा कर सकते है लेकिन ऊपर वाले की निगाहों से कोई नहीं बच सकता है। अब यही भ्रष्टाचारी पंच अपने आपको उपसरपंच का दावेदार बता रहा है। इस भ्रष्टाचारी ने भ्रष्टाचार की सारी सिमा लांघ कर किराना दुकान के बिल लगाकर आमजनता के विकास के रुपयों पर ही डाका डाल दिया। इस भ्रष्टाचारी ने एक बार पंच रहकर इतना भ्रष्टाचार किया तो सोचो उपसरपंच रहते हुए गांव के विकास की धनराशी का उपयोग क्या हकीकत में जनहित में करेगा। जो एक बार जनता के साथ धोका कर सकता है वो दूसरी बार जनता के साथ धोखा नही करेगा, इस बात क्या गारंटी है। इस भ्रष्ट पंच की उपसरपंच बनने की लालशा ही इसलिए है कि अबकी बार जमकर पैसा कमाना है। वह अपने इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए पंचों को लालच भी दे रहा है। इस पंच का भ्रष्टाचार केवल एक बिल तक सीमित नहीं है और भी बिल लगे हैं जिसका भी खुलासा माही की गूंज द्वारा किया जाएगा।

संपादकीय

आबादी की मुनादी

कहना कठिन है कि संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में अगले वर्ष भारत में दुनिया की सबसे बड़ी आबादी होने का आकलन खुशखबरी है या चिंता की बात। देश में दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी होना सौभाग्य है, मगर अगर नीति-नियंता हर हाथ को काम न दे पाएं तो यह गंभीर चुनौती है। कोरोना संकट के बाद बढ़ी बेतहाशा बेरोजगारी व महंगाई चिंता का सबब है। जब हम कहते हैं कि भारत आबादी के मामले में चीन को पछाड़ देगा तो हमें उसके क्षेत्रफल, उपलब्ध संसाधन, रोजगार की स्थिति तथा नागरिकों के जीवन में निर्धारित अनुशासन का भी

मूल्यांकन करना चाहिए। हमें इस बात को लेकर चिंतित होना चाहिए कि संयुक्त राष्ट्र की जारी हालिया रिपोर्ट में वर्ष 2023 में भारत के आबादी में नंबर एक होने की बात कही जा रही है, जबकि पूर्व में यह आकलन था कि यह स्थिति 2027 में आएगी। यानी चार वर्ष पहले ही उस स्तर पर आबादी पहुंच गई? जो बताता है कि हम जनसंख्या नियोजन को लेकर उदार नीति अपना रहे हैं और परिवार नियोजन के प्रयास मन लगाकर नहीं हुए हैं।

यह विडंबना है कि, कुछ वर्गों की तरफ से राजनीतिक लक्ष्यों हेतु तथा धार्मिक वर्जनाओं की दुहाई देकर जनसंख्या स्थिरीकरण के प्रयासों को पलीता लगाया जा रहा है। यह नहीं सोचा जा रहा है कि जहां देश के पास विश्व का महज ढाई फीसदी से कम भू-भाग है, वहीं करीब 18 फीसदी के लगभग जनसंख्या का बोझ होगा। तो ऐसे में हर हाथ को काम और हर पेट को रोटी देना संभव हो पाएगा? यह पूरी दुनिया के लिए भी चुनौती है कि, इस वर्ष के अंतिम महीनों में विश्व की आबादी आठ अरब पार कर जाएगी। यानी पिछले एक दशक में एक अरब आबादी बढ़ चुकी है। वहीं चिंता की बात यह है कि, आने वाले दो दशकों में पूरी दुनिया की आबादी में दो अरब लोग और जुड़ जाएंगे। यह विडंबना ही है कि, गरीब व विकासशील मुल्कों में ही ज्यादा आबादी है। एशिया में पूरी दुनिया की 60 फीसदी के करीब आबादी रहती है जो मानव संसाधनों के विकास पर होने वाले खर्च की हकीकत बताता है। वहीं दुनिया के संपन्न देशों में जनसंख्या नियोजन व स्थिरीकरण के लक्ष्य हासिल किए जा चुके हैं। बहरहाल, भारत जैसे देश में दुनिया की सर्वाधिक आबादी का होना आने वाले कल की गंभीर चुनौतियों की ओर इशारा है।

विचारक माल्थस ने चेताया था कि, आने वाले समय में दुनिया में गंभीर खाद्यान्न संकट पैदा होगा क्योंकि जनसंख्या बीज गणितीय अनुपात से बढ़ती है और खाद्यान्न अंकगणितीय अनुपात से। जिससे खाने वाले मुंह व अनाज की उपलब्धता में बड़ा अंतर रह जाता है। माल्थस तो यहां तक टिप्पणी करता है कि अनियंत्रित जनसंख्या को नियंत्रण में लाने के लिये प्रकृति कदम उठाती है। बहरहाल, हमें जनसंख्या स्थिरीकरण व परिवार नियोजन की तरफ कदम बढ़ाने होंगे। जैसा कि चीन ने 1979 में संतान नीति को कड़ाई से लागू किया। हालांकि, कालांतर चीन के उत्पादन केंद्र बनने व रोजगार के अवसरों में अप्रत्याशित वृद्धि के बाद सख्त नीति में ढील देने पड़ी। लेकिन चीन ने अपने लक्ष्य को हासिल कर लिया है। इसके बावजूद चीन में आबादी को लेकर संस्कृति व सोच के स्तर पर बदलाव आ चुका है। जबकि चीन का क्षेत्रफल, संसाधन व रोजगार भारत के मुकाबले काफी ज्यादा है। फिर साम्यवादी व्यवस्था का सख्त अनुशासन भी चीन की अतिरिक्त ताकत है। भारत को इस चुनौती के मुकाबले के लिए मानव संसाधनों व सेहत सेवाओं के संवर्धन पर ध्यान देना होगा। आधुनिक तकनीक के बजाय श्रम प्रधान उद्योग तथा ग्रामीण विकास की संस्कृति पर बल देना होगा। पहले ही जनसंख्या के बोझ से चरमराती शहरी सेवाओं को दुरुस्त रखने के लिए जरूरी है कि उद्योग-धंधों का विकेंद्रीयकरण करके उन्हें ग्रामीण इलाकों में केंद्रित किया जाए। सेवा क्षेत्र में प्रतिभा निर्यात की रणनीति भी कारगर हो सकती है। हमें रोटी-कपड़ा-मकान, शिक्षा व सेहत जैसी बुनियादी जरूरतों को प्राथमिकता देनी होगी। कोशिश हो कि आबादी को बोझ के बजाए मजबूत संसाधन के रूप में विकसित करें।

तकनीकी शब्दावली से समृद्ध होगी भारतीय भाषाएं

केंद्र सरकार देश को शिक्षा के सीमित सोच के दायरे से निकालकर 21वीं सदी के आधुनिक विचारों से जोड़ना चाहती है जहां मेधा की कभी कमी नहीं रही है। केंद्र की यह चिंता वाजिब है कि यहां ऐसी व्यवस्था बना दी गई थी, जिसमें पढ़ाई का मतलब केवल और केवल नौकरी ही माना जाने लगा था। प्रधानमंत्री मोदी का मत है कि शिक्षा में यह विकार गुलामी के कालखंड में अंग्रेजों ने अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए, अपने लिए एक सेवक वर्ग तैयार करने के लिए पैदा किया था। आजादी के बाद, इसमें थोड़ा-बहुत बदलाव तो हुआ लेकिन बहुत सारा बदलाव रह गया। अंग्रेजों की बनाई व्यवस्था कभी भी भारत के मूल स्वभाव का हिस्सा नहीं थी और न हो सकती है।

यह सवाल गौर करने योग्य है कि, बौद्धिक दायरा किसी भाषा विशेष का ज्ञान रखने वालों तक ही सीमित क्यों रहना चाहिए। यह भावनात्मक मुद्दा नहीं है बल्कि इसके पीछे वैज्ञानिक कारण भी रहे हैं। दुनिया चौथी औद्योगिक क्रांति के दौर से गुजर रही है और पिछली तीन औद्योगिक क्रांति के अनुसंधान में हम पिछड़ गये। प्रधानमंत्री ने इसकी वजह गिनाते हुए स्पष्ट किया है कि गुलामी के कालखंड में भारतीय भाषाओं की उपेक्षा हुई और अनुसंधान की भाषा को सिर्फ एक-दो भाषाओं तक सीमित रखा गया। उन्होंने सभी भारतीय भाषाओं को धनी बनाने के सरकार के राष्ट्रीय भाषा अनुवाद मिशन का जिक्र किया, जिसका मकसद साफ है कि भारतीय भाषाओं में तकनीकी शब्दावलियां उपलब्ध हों। इंटरनेट पर ज्ञान और सूचना का बहुत बड़ा भंडार है जिसे हर कोई अपनी भाषा में जान सके और इस मकसद को पूरा करने के लिये भाषीनी प्लेटफार्म लांच किया गया है।

प्रधानमंत्री ने जिस भाषा का नाम नहीं लिया, वह अंग्रेजी है। इतिहास है कि भारत में मिशनरी स्कूलों की शुरुआत 16वीं सदी में हुई और पुर्तगालियों ने पहले गोवा और कोच्चि में ऐसे स्कूलों की स्थापना की। अंग्रेजी हुकूमत आने के बाद 18वीं सदी से मिशनरी स्कूलों का तेजी से विस्तार हुआ और आज ऐसे स्कूल एवं कॉलेज देश के लगभग हर बड़े शहर में मौजूद हैं। इन स्कूल-कॉलेजों में शिक्षा एवं बोलचाल की भाषा अंग्रेजी है और उसे बड़ी सख्ती से लागू किया जाता है। हर भाषा का अपना दायरा और महत्व है और भारत सदैव से अनगिनत भाषाओं को समाहित करने में सक्षम रहा है। भारत में हर भाषा फली-फूली है और बोलचाल से लेकर साहित्य रचना में उसका योगदान सर्वविदित है। नरेंद्र मोदी ने पिछले दिनों मुख्य न्यायाधीशों के सम्मेलन में अदालतों में स्थानीय भाषाओं के इस्तेमाल पर भी जोर दिया था। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी में न्यायिक प्रक्रिया और फैसले समझना मुश्किल होता है। स्थानीय भाषाओं के प्रयोग से न्याय प्रणाली में आम नागरिकों का विश्वास बढ़ेगा और वे इससे अधिक जुड़ाव महसूस करेंगे। यह एक तरह से सामाजिक न्याय होगा। प्रधानमंत्री की यह सद्इच्छा भी न्यायसंगत है और उसे लागू करने की दिशा में भले ही अनेक कठिनाइयां हों लेकिन उसे अमल में लाने के प्रयास से न्याय प्रणाली मजबूत होगी।

बिना विवाद में पड़े ऐतिहासिक तथ्यों को जानने का प्रयास करें। 18वीं सदी के आरंभ होने तक भारत में हिंदी मुख्य भाषा नहीं थी और काफी हद तक संपर्क भाषा भी नहीं थी। मुख्य रूप से संस्कृत, अरबी और फारसी का कामकाज की भाषा के रूप में इस्तेमाल होता था। अंग्रेजी हुकूमत के आने के बाद गवर्नर जनरल वारेन हेस्टिंग्स ने भारत को समझने के लिये हिंदी या उर्दू भाषा को नहीं बल्कि फारसी भाषा को प्राथमिकता दी। वास्तव में उसे आभास हो गया था कि भारत को समझने के लिये इसकी भाषाई विविधता को समझना और इनका संरक्षण अनिवार्य है। सांस्कृतिक विविधताओं से भरा भारत ऐसा देश है जहां हर चालीस कोस के बाद बोली और रहन-सहन में अंतर देखने को मिलता है।

अंग्रेज अफसरों के लिए संस्कृत, अरबी और फारसी भाषा का ज्ञान अनिवार्य कर दिया गया था। आठ फरवरी, 1812 को जारी एक सरकारी अध्यादेश में स्पष्ट लिखा गया कि जनहित से जुड़े सरकारी पदों पर तैनात अफसरों के लिए तीनों भाषाओं का ज्ञान जरूरी है। प्रशासनिक सेवा के अफसरों को बाकायदा तीनों भाषाओं का प्रशिक्षण दिया जाता था। अदालत और रजिस्ट्री के दस्तावेज भी इन्हीं भाषाओं में लिखने होते थे। बीसवीं सदी तक भारतीय प्रशासनिक सेवा में इन्हीं तीनों भाषाओं का इस्तेमाल देखा जा सकता है। दरअसल उन्नीसवीं सदी में अंग्रेज शासन के दौरान अंग्रेजी को शिक्षा का माध्यम बनाने की कवायद शुरू हो गई, अंग्रेजी के साथ हिंदी एवं उर्दू का इस्तेमाल बढ़ता चला गया और संस्कृत, अरबी और फारसी का इस्तेमाल कम होता चला गया।

आजादी मिलने के बाद 1960 के दशक में हिंदी और क्षेत्रीय भाषाओं को लेकर राजनीतिक बवाल हुआ था। दक्षिण भारत के लोगों के मन में यह शंका पैदा की गई कि उन पर हिंदी थोपने की कोशिश की जा रही है जो पूरी तरह से आधारहीन थी। उस समय तक अंग्रेजी सरकारी भाषा का रूप ले चुकी थी, लेकिन आजाद भारत में एक राष्ट्रीय भाषा की जरूरत को महसूस किया गया, जिसकी वजह अपनी पहचान को बनाये रखना था। चूंकि आबादी के लिहाज से हिंदी सबसे ज्यादा बोली और समझी जाती थी इसलिये उसके विस्तार की कल्पना की गई। कभी किसी सरकार ने हिंदी को गैर-हिंदी भाषी लोगों पर थोपने की कोशिश नहीं की।

अगर गुलामी से पहले भारत के कालखंड को देखेंगे तो शिक्षा में अलग-अलग कलाओं की धारणा थी और बनारस इसका जीवंत उदाहरण है। बनारस ज्ञान का केंद्र केवल इसलिए नहीं था कि यहां अच्छे गुरुकुल और शिक्षण संस्थान थे। बनारस ज्ञान का केंद्र इसलिए था कि यहां ज्ञान और शिक्षा के बहुआयामी क्षेत्र थे। मोदी मानते हैं कि शिक्षा में यही विविधता हमारी शिक्षा व्यवस्था का भी प्रेरणास्रोत होनी चाहिए। हम केवल डिग्री धारक युवा तैयार न करें, बल्कि देश को आगे बढ़ाने के लिए मानव संसाधनों की जरूरत के अनुसार शिक्षा व्यवस्था हो। इस संकल्प का नेतृत्व देश के शिक्षकों और शिक्षण संस्थानों को करना है और वे जितनी तेजी से इस भावना को आत्मसात् करेंगे, देशहित में होगा।

अशोक उपाध्याय

दरअसल, केंद्र सरकार राष्ट्रीय शिक्षा नीति में इन तमाम पहलुओं को समाहित करने के साथ देश की हर भाषा को धनी बनाने के लिए काम कर रही है। लेकिन इस हकीकत को ध्यान में रखना होगा कि औद्योगिक क्रांति के नये दौर में अनुसंधान के दस्तावेज अंग्रेजी में ज्यादा उपलब्ध होते हैं, ऐसे में उनका सटीक अनुवाद जरूरी है जिसे गूगल अनुवाद से पूरा नहीं किया जा सकता। केंद्र के साथ हर राज्य को अपनी क्षेत्रीय भाषा में इंटरनेट के युग के हिसाब से अनुवाद की सुविधा मुहैया कराने के लिये आगे आना चाहिए ताकि वे भविष्य में संरक्षित रहें।

आर्थिक संकट में लंका

श्रीलंका में महीनों से जारी आर्थिक संकट से परेशान जनता का प्रदर्शन उग्र होता जा रहा है। 9 जुलाई को प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति आवास घेर लिया, जिसके बाद राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे आवास छोड़कर भाग खड़े हुए। इससे पहले मई में जब उग्र भीड़ ने राजपक्षे के छोटे भाई और पूर्व प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे के कोलंबो स्थित सरकारी आवास को घेर लिया था, तो महिंदा ने परिवार समेत भागकर नेवल बेस में शरण ली थी। इस बीच 9 जुलाई को ही रानिल विक्रमसिंघे ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। विक्रमसिंघे 12 मई को महिंदा राजपक्षे के इस्तीफे के बाद प्रधानमंत्री बने थे। श्रीलंका में सरकार विरोधी प्रदर्शन रविवार को भी जारी रहे और राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे तथा प्रधानमंत्री रॉनिल विक्रमसिंघे के आवासों पर प्रदर्शनकारियों का कब्जा है। देश में उथल-पुथल के बीच राष्ट्रपति फिलहाल कहां हैं, इस बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं है। प्रधानमंत्री विक्रमसिंघे के निजी आवास को शनिवार को प्रदर्शनकारियों ने आग के हवाले कर दिया था।श्रीलंका एक अभूतपूर्व आर्थिक उथल-पुथल का सामना कर रहा है। 2.2 करोड़ लोगों की आबादी वाला देश सात दशकों में सबसे खराब दौर से गुजर रहा है। श्रीलंका में विदेशी मुद्रा की कमी है, जिससे देश ईंधन और अन्य आवश्यक वस्तुओं के जरूरी आयात के लिए भुगतान कर पाने में असमर्थ हो गया है। इन हालात के बीच जनता सड़कों पर है। राजपक्षे और प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे के तत्काल इस्तीफे की मांग की जा रही है। हालांकि, श्रीलंका की संसद के अध्यक्ष महिंदा यापा अभयवर्धने ने कहा है कि राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे 13 जुलाई को इस्तीफा देंगे। स्थायी प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति नहीं होने की स्थिति में संसद अध्यक्ष कार्यवाहक राष्ट्रपति बनेंगे। श्रीलंका 1948 में अपनी आजादी के बाद से सबसे बुरे आर्थिक संकट से गुजर हा है। श्रीलंका में लोगों को रोजमर्रा से जुड़ी चीजें भी नहीं मिल पा रही हैं या

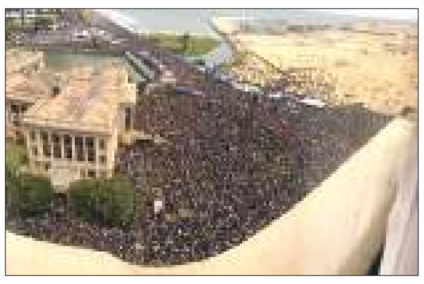

कई गुना महंगी मिल रही हैं। श्रीलंका का विदेशी मुद्रा भंडार लगभग खत्म हो चुका है, जिससे वह जरूरी चीजों का आयात नहीं कर पा रहा है। देश में अनाज, चीनी, मिल्क पाउडर, सब्जियों से लेकर दवाओं तक की कमी है। पेट्रोल पंपों पर सेना तैनात करनी पड़ी है। देश में 13-13 घंटे की बिजली कटौती हो रही है। देश का सार्वजनिक परिवहन ठप हो गया है, क्योंकि बसों को चलाने के लिए डीजल ही नहीं है। पिछले एक दशक के दौरान श्रीलंका की सरकारों ने जमकर कर्ज लिए, लेकिन इसका सही तरीके से इस्तेमाल करने के बजाय दुरुपयोग ही किया। 2010 के बाद से ही लगातार श्रीलंका का विदेशी कर्ज बढ़ता गया। श्रीलंका ने अपने ज्यादातर कर्ज चीन, जापान और भारत जैसे देशों से लिए हैं। 2018 से 2019 तक श्रीलंका के प्रधानमंत्री रहे रानिल विक्रमसिंघे ने हंबनटोटा पोर्ट को चीन को 99 साल के लिए लीज पर दे दिया था। ऐसा चीन के लोन के पेमेंट के बदले किया गया था। ऐसी नीतियों ने उसके पतन की शुरुआत की। इसके अलावा उस पर वर्ल्ड बैंक, एशियन डेवलेपमेंट बैंक जैसे ऑर्गेनाइजेशन का भी पैसा बकाया है। साथ ही उसने इंटरनेशनल मार्केट से भी उधार लिया है। 2019 में एशियन डेवलेपमेंट बैंक ने श्रीलंका को एक जुड़वा घाटे वाली अर्थव्यवस्था कहा था। जुड़वा घाटे का मतलब है कि राष्ट्रीय खर्च राष्ट्रीय आमदनी से अधिक होना। श्रीलंका की एक्सपोर्ट से अनुमानित आय 12 अरब डॉलर है, जबकि इम्पोर्ट से उसका खर्च करीब 22 अरब डॉलर है, यानी उसका व्यापार घाटा 10 अरब डॉलर का रहा है। श्रीलंका जरूरत की लगभग सभी चीजें, जैसे-दवाएं, खाने के सामान और फ्यूल के लिए बुरी तरह इम्पोर्ट पर निर्भर है। ऐसे में विदेशी मुद्रा की कमी की वजह से ये जरूरी चीजें नहीं खरीद पा रहा है।

सिद्धार्थ शंकर

संसार को भीड़ से बचाने का सूत्र

11 जुलाई को विश्व जनसंख्या दिवस मनाया जाता है। ऐसे अवसरों पर लोग उत्सव करते हैं लेकिन इस विश्व दिवस पर लोग चिंता में पड़ गए हैं। उन्हें चिंता यह है कि दुनिया की आबादी इसी रफ्तार से बढ़ती रही तो अगले 30 साल में दुनिया की कुल आबादी लगभग 10 अरब हो जाएगी। इतने लोगों के लिए भोजन, कपड़े, निवास और रोजगार की क्या व्यवस्था होगी? क्या यह पृथ्वी इंसान के रहने लायक बचेगी? पृथ्वी का क्षेत्रफल तो बढ़ना नहीं है और अंतरिक्ष के दूसरों ग्रहों में इंसान को जाकर बसना नहीं है। ऐसे में क्या यह पृथ्वी नरक नहीं बन जाएगी? बढ़ता हुआ प्रदूषण क्या मनुष्यों को जिंदा रहने लायक छोड़ेगा? ये ऐसे प्रश्न हैं, जो हर साल जमकर उठाए जा रहे हैं। ये सवाल हमारे दिमाग में काफी निराशा और चिंता पैदा करते हैं लेकिन अगर हम थोड़े ठंडे दिमाग से सोचें तो मुझे लगता है कि मनुष्य जाति इतनी महान है कि वह इन मुसीबतों का भी कोई न कोई हल निकाल लेगी। जैसे अब से लगभग 70 साल पहले दुनिया की आबादी सिर्फ ढाई अरब थी लेकिन अब वह लगभग 8 अरब हो गई है। क्या इस बढ़ी हुई आबादी को कमोबेश सभी सुविधाएं नहीं मिल रही हैं? नए-नए आविष्कारों, यांत्रिक विकासों और आपसी सहकारों के कारण दुनिया के देशों में जबर्दस्त विकास हुआ है। इन्हीं की वजह से लोगों के स्वास्थ्य में सुधार हुआ है और पिछले 40 साल में लोगों की औसत आयु में 20 साल की वृद्धि हो गई है। जो लोग पहले 50 साल की आयु पाते थे, वे अब 70 साल तक जीवित रहते हैं। जनसंख्या-वृद्धि का यही मूल कारण भी है। परिवार नियोजन तो लगभग सभी देशों में प्रचलित है। जापान और चीन में यह चिंता का विषय बन गया है। वहां जनसंख्या घटने की संभावना बढ़ रही है। यदि दुनिया की आबादी 10-12 अरब भी हो जाए तो उसका प्रबंध असंभव नहीं है। खेती की उपज बढ़ाने, प्रदूषण घटाने, पानी की बचत करने, शाकाहार बढ़ाने और जूठन न छोड़ने के अभियान यदि सभी सरकारें और जनता निष्ठापूर्वक चलाएं तो मानव जाति को कोई खतरा नहीं हो सकता। मुश्किल यही है कि इस समय सारे संसार में उपभोक्तावाद की लहर आई हुई है। हर आदमी हर चीज जरुरत से ज्यादा इस्तेमाल करना चाहता है। इस दुर्दांत इच्छा-पूर्ति के लिए यदि प्राकृतिक साधन दस गुना ज्यादा भी उपलब्ध हों तो भी वे कम पड़ जाएंगे। ऐसी हालत में पूंजीवादी और साम्यवादी विचारधाराओं के मुकाबले भारत की त्यागवादी विचारधारा सारे संसार के लिए बहुत लाभदायक सिद्ध हो सकती है। जिस संयुक्तराष्ट्र संघ ने 11 जुलाई 1989 को इस विश्व जनसंख्या दिवस को मनाने की परंपरा डाली है, उसके कर्त्ताकृधत्ताओं से मैं निवेदन करुंगा कि वे ईशोपनिषद् के इस मंत्र को सारे संसार का प्रेरणा-वाक्य बनाएं कि 'त्येन त्यक्तेन भुंजीथा' याने 'त्याग के साथ उपभोग करें' तो आबादी का भावी संकट या उसकी चिंता का निराकरण अपने आप हो जाएगा।

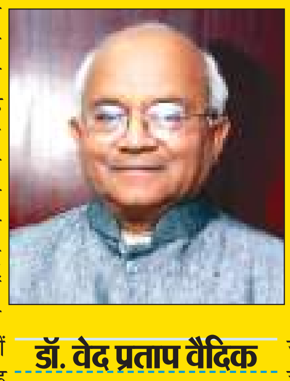

डॉ. वेद प्रताप वैदिक

जीवन मूल्यों की रक्षा में गुरू की भूमिका

स्वतंत्रता प्राप्ति के 75 वर्ष बाद भी भारतीय समाज भ्रमित है, जातिवाद, संप्रदायवाद, भाषावाद व क्षेत्रीय अस्मिता के आधार पर टुकड़ों में बंटा हुआ है। कुछ युवा व बुद्धिजीवी भाषा की मर्यादएं तोड़ रहे हैं, कुछ कानून की धज्जियां उड़ा रहे हैं। कुछ सुनियोजित अपराधों में लिप्त हैं। कुछ लोगों की रुचि सरकार को अस्थिर कर अपनी राजनीतिक प्रतिष्ठा बढ़ाने में है तो कुछ देश तोड़ने के अवसर की तलाश में हैं। कुछ करदाताओं से प्राप्त धन को खर्च कर सत्ता प्राप्त करना चाहते हैं तो कुछ मुफ्तखोरी को जन्मसिद्ध अधिकार मानते हैं। नैतिक मूल्यों का ह्रास हो रहा है।

भारतीय दर्शन के अनुसार शिक्षक (गुरु) शिष्य के लिए शैक्षिक और आध्यात्मिक मार्गदर्शक होता है, जिसके सहयोग, समर्थन और आशीर्वाद के बिना यथार्थ ज्ञान प्राप्त नहीं किया जा सकता। 'गुरु' शब्द में ही गुरु-महिमा का वर्णन है। 'गु' (अज्ञान रूपी) अन्धकार है व 'रु' (ज्ञान रूपी) प्रकाश है। इस प्रकार, निःसन्देह समाज से अज्ञान रूपी अंधकार दूर कर ज्ञान रूपी प्रकाश का विस्तार करने वाला 'गुरु' ही ब्रह्म है। अनेक ग्रंथ गुरु के महत्व का विस्तार से वर्णन करते हैं, जिसके आधार पर कुछ अत्यन्त लोकप्रिय अवधारणाएं इस प्रकार हैं:-

'गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुः गुरुदेवो महेश्वरः।
गुरुः साक्षात् परब्रह्म तस्मै श्रीगुरवे नमः॥'

गुरुस्तोत्रम् (श्री गुरुगीता)

'सब धरती कागद करूं, लेखनी सब बनराय।
सात समुद्र की मसि करूं, गुरु गुण लिखा न जाय॥'

(कबीर दोहावली)

यह आवश्यक नहीं कि कोई भगवा वेषधारी या औपचारिक शिक्षा प्रदान करने वाला शिक्षक ही गुरु माना जाये और उसके समीप पहुंचकर ही ज्ञान प्राप्त किया जाये। मन में सच्ची लगन व श्रद्धा हो तो गुरु को किसी भी रूप में कहीं भी पाया जा सकता है। एकलव्य ने मिट्टी की प्रतिमा में ही गुरु का दर्शन पाया। दत्तात्रेय जी ने प्रकृति में चौबीस गुरुओं को खोजकर उनसे मार्गदर्शन प्राप्त किया। प्रायः माता-पिता और शिक्षक गुरु का उत्तरदायित्व निभाते हुए अपने ज्ञान, विवेक, अनुभव व परिस्थितियों के आधार पर मार्गदर्शन करते हैं। गुरु गोविन्द सिंह ने सन्तों की वाणी से परिपूर्ण पवित्र ग्रंथ को गुरु की संज्ञा दी। निश्चय ही उत्तम साहित्य पाठक का मार्गदर्शन कर गुरु की महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

आधुनिक युग में दूरदर्शन, सूचना प्रौद्योगिकी व सोशल मीडिया के माध्यम से भी विभिन्न विषयों में शिक्षा प्राप्त की जा सकती है। विभिन्न विद्वान भी इन्हीं माध्यमों से निरंतर ज्ञान में वृद्धि करते रहते हैं। एक जिज्ञासु व जागरूक नागरिक अत्यंत चतुराई से किसी भी साधन से उचित मार्गदर्शन प्राप्त कर सकता है। भारतीय समुदाय ने गुरु को प्रतीक रूप में सम्मानित करने के लिए महर्षि वेदव्यास की स्मृति में एक पवित्र त्योहार 'गुरु पूर्णिमा' के रूप में मनाने की परम्परा डाली। महर्षि वेदव्यास ने चारों वेद संपादित किए। उन्होंने अठारह पुराण और कुछ अन्य पवित्र ग्रंथ भी लिखे। ये सभी ग्रंथ भारतीय संस्कृति के आधार हैं व मानव को देश-काल के अनुसार उचित-अनुचित, शुभ-अशुभ व धर्म-अधर्म का बोध कराते हुए कर्तव्य पथ को आलोकित करते हैं।

बढ़ती जनसंख्या, बदलती अर्थव्यवस्था और औद्योगीकरण के आधुनिक युग में औपचारिक शिक्षा का स्वरूप पूर्णरूपेण बदल चुका है। आज शिक्षा का मुख्य उद्देश्य इसे रोजगारपरक बनाकर बेरोजगारी दूर करना और युवाओं को अधिक से अधिक धन अर्जित करने योग्य बनाना है। साथ ही विज्ञान और तकनीकी विकास के नये-नये आयाम स्थापित कर देश को विकसित देशों की प्रतिस्पर्धा में रखना भी एक महत्वपूर्ण उद्देश्य है। शिक्षा के उद्देश्य के अनुरूप शिक्षण पाठ्यक्रम भी बदल चुका है। नैतिक शिक्षा का महत्व समाप्तप्राय है। युवाओं में आत्मविश्वास घटता जा रहा है। अधिकांश युवा येन-केन-प्रकारेण अधिक से अधिक धन-सम्पत्ति, प्रभुत्व, सत्ता अर्जित करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहते हैं। परिणामस्वरूप समाज में भ्रष्टाचरण बढ़ रहा है। असुरक्षा व हताशा बढ़ती जा रही है। समाज में मानवीय गुणोंद्द विनम्रता, कर्तव्य परायणता, सहनशीलता (धैर्य), श्रमशीलता, संवेदनशीलता, कृतज्ञता, सत्यनिष्ठा आदि की कमी व मनोविकारों- काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार, ईर्ष्या, स्वाथज़्परता, अति-महत्वाकांक्षा आदि की निरंतर वृद्धि हो रही है। अत्यंत दुखद यह है कि समाज में, विशेषकर (तथाकथित) बुद्धिजीवी वर्ग में शुभ-अशुभ, अच्छाई-बुराई, उचित-अनुचित, गुण-दोष व धर्म-अधर्म की पहचान लगभग मिट चुकी है।

समय के साथ मानवीय गुणों में निरंतर कमी व मनोविकारों में वृद्धि एक सामान्य मानवीय प्रवृत्ति है, इसे विचारों का प्रदूषण भी कहा जा सकता है। वैचारिक प्रदूषण दूर करने के लिए समय-समय पर एक योग्य गुरु की शिक्षाओं से मार्गदर्शन प्राप्त करते हुए अन्तःकरण को शुद्ध रखना अनिवार्य है। आशा है, गुरु-पूर्णिमा उत्सव बच्चों व युवाओं को भारतीय संस्कृति की पहचान करायेगा व समाज में एक नई चेतना का संचार करेगा।

लेखक:- प्रदीप कुमार सिंह

"मुर्गा बना दूंगा तुम्हें", घटिया सड़क निर्माण पर भड़के विधायक

सीएमओ-इंजीनियर को लगाई फटकार

माही की गूंज, शाजापुर। अजय राज केवट

पोलायकलां नगर परिषद द्वारा वार्ड क्रमांक एक व अन्य जगहों पर 65 लाख रुपए की लागत से रोड निर्माण किया जा रहा है। रविवार देर शाम क्षेत्रीय विधायक कुणाल चौधरी चुनाव प्रचार के दौरान इस क्षेत्र में पहुंचे थे। तभी उन्होंने सड़क निर्माण कार्य को देखा तो यह बेहद घटिया पाया। इस पर उन्होंने तीखी नाराजगी जाहिर की। मौक पर परिषद सीएमओ और इंजीनियर को बुलाकर उन्हें भी खरी-खोटी सुनाई। साथ ही मौके से ही कलेक्टर दिनेश जैन को फोन लगाकर मामले की जानकारी दी।

कलेक्टर से फोन पर बात करते हुए विधायक घटिया निर्माण के बारे में बताते हुए यह तक कह गए कि, मेरा बस चले तो सीएमओ, इंजीनियर को मुर्गा बना दूं। उन्होंने कहा कि सड़क को फिर से बनाया जाए।

कलेक्टर से बात करते हुए विधायक चौधरी बोले, मैं भी इंजीनियर हूं, मेरा भी बीई सिविल एमटेक स्ट्रेक्टर है सर, रोड देखकर मेरा तो माथा खराब हो गया। यह रोड खुदेगी सर और फिर से बनेगी। नहीं तो मैं कल से ही धरना दूंगा। विधायक के साथ क्षेत्र के लोग भी इस दौरान मौजूद थे। विधायक की कलेक्टर से चर्चा के दौरान नगर परिषद के अधिकारी घबराए हुए दिखे और कई बार पसीना पोंछते दिखे।

जनता के पैसे को खाएंगे, लूटेंगे या डाका डालेंगे

विधायक चौधरी कलेक्टर से बोले, यह तो लूट है सर। जनता के पैसे को खाएंगे, लूटेंगे या डाका डालेंगे। विधायक ने रोड निर्माण से संबंधी नियम-शर्तों वाले दस्तावेज भी मांगे। दस्तावेजों में उल्लेखित नियम-शर्तों का पालन नहीं होना और घटिया सामग्री का उपयोग रोड निर्माण में होने की बात सामने आई। बहरहाल घटिया सड़क निर्माण को लेकर विधायक के तेवर चर्चा में हैं। देखना अब यह है कि निर्माण और गुणवत्ता में कोई सुधार आता है या नहीं।

कई जगह यही हाल, जिम्मेदार मौन

जिलेभर में निर्माण कार्यों के यही हाल हैं। अफसर ठेकेदारों की कठपुतली बने हुए हैं और निर्माण कार्यों पर पानी की तरह रुपया बहाया जा रहा है। किंतु निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। स्थिति यह है कि ठेकेदार मनमानी पर उतारू हैं। जिला मुख्यालय पर करोड़ों रुपये की लागत से निर्मित हो रहे बस स्टैंड भवन में भी यह स्थिति सामने आई थी। इस पर मीडिया खामियों को सामने लाया। मामले में कलेक्टर दिनेश जैन ने नाराजगी जाहिर कर निर्माण एजेंसी को नोटिस जारी कराया था। कहा गया था कि नियम-कायदों के अनुसार निर्माण कराया जाए।

कलेक्टर एवं एसपी ने दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को पहुंचाया अस्पताल

माही की गूंज, मंदसौर।

खानपुरा रोड सत्संग भवन के नजदीक आम नागरिक का एक्सीडेंट होने पर कलेक्टर गौतम सिंह एवं पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया ने रुक कर दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति हालचाल पूछा तथा तुरंत शासकीय वाहन से उपचार के लिए अस्पताल भेजा।

निर्वाचन ड्यूटी के दौरान मृत्यु पर मिलने वाली अनुग्रह राशि में हुई वृद्धि

माही की गूंज, मंदसौर। सचिव राज्य निर्वाचन आयोग राकेश सिंह ने बताया है कि, नगरीय निकाय एवं त्रि-स्तरीय पंचायत निर्वाचन में निर्वाचन ड्यूटी के दौरान अधिकारी एवं कर्मचारियों की मृत्यु पर दी जाने वाली अनुग्रह राशि में वृद्धि की गई है। अब साधारण मृत्यु होने पर 8 लाख के स्थान पर 10 लाख रूपए की अनुग्रह राशि दी जाएगी।

इसी तरह निर्वाचन के समय हिंसक गतिविधियों के दौरान होने वाली मृत्यु पर 15 लाख के स्थान पर 20 लाख रूपए की अनुग्रह राशि मिलेगी। अशक्तता के प्रकरणों में सामान्य परिस्थिति में 4 लाख रूपए और हिंसक गतिविधियों के दौरान अशक्तता पर 7 लाख 50 हजार रूपए दिए जाएंगे। राज्य सरकार द्वारा इस संबंध में आदेश जारी कर दिए गए हैं।

नशामुक्त भारत अभियान जिलों में मुहिम तेज

माही की गूंज, मंदसौर।

राज्य शासन ने 'नशामुक्त भारत अभियान' में शामिल प्रदेश के 15 जिलों में गतिविधियाँ तेज कर राष्ट्रीय एप एनएमबीए में प्रविष्टि करने के निर्देश दिये हैं, जिससे राष्ट्रीय स्तर पर इनका सतत् मूल्यांकन हो सके। मध्यप्रदेश अभियान में अग्रणी राज्यों में शामिल है। केन्द्र शासन द्वारा अगस्त माह में 'आजादी के अमृत महोत्सव' में 'नशामुक्त भारत अभियान' में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 3 राज्य और जिलों को पुरस्कृत किया जाएगा।

अभियान की सफलता को देखते हुए केन्द्र शासन ने 'नशामुक्त भारत अभियान-2.0' भी शुरू करने का निर्णय लिया है। वर्तमान में अभियान में देश के नशे के विरूद्ध जन-जागरूकता की आवश्यकता वाले 272 जिले शामिल हैं। दूसरे चरण में 100 अन्य जिलों को शामिल किया जाएगा। मध्यप्रदेश से अभियान में 15 जिले शामिल हैं और दूसरे चरण के लिये जिलों का नाम माँगा गया है।

सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण विभाग द्वारा गत माह 14 से 30 जून तक हुए पखवाड़े में जबलपुर जिले में 23 हजार 321 और दतिया में 20 हजार 765 गतिविधियों की प्रविष्टि को काफी सराहना मिली। अभियान में शामिल प्रदेश के 15 जिलों- सागर, इंदौर, नर्मदापुरम, मंदसौर, सतना, ग्वालियर, भोपाल, उज्जैन, छिंदवाड़ा, नरसिंहपुर, नीमच, रतलाम, जबलपुर, रीवा और दतिया के कलेक्टर से कहा गया है कि शेष जुलाई माह में सभी विभागों के सहयोग से नशा विरोधी जन-जागरूकता गतिविधियाँ करें। 'नशामुक्त भारत अभियान' मोबाइल एप पर रियल टाइम पर जिले तथा मास्टर वॉलेंटियर्स द्वारा गतिविधियों की प्रविष्टियाँ की जाएँ।

'आजादी के अमृत महोत्सव' में जिले के 75 महत्वपूर्ण स्थलों पर एक साथ 'नशामुक्त भारत अभियान' की अति-महत्वपूर्ण विविध गतिविधियों को विभागों और जन-प्रतिनिधियों की सहभागिता से सम्पन्न कर एप पर प्रविष्टियाँ दर्ज कराएँ। जुलाई माह के अति-महत्वपूर्ण 'ऐतिहासिक दिवस,'तिरंगा दिवस', स्वतंत्रता संग्राम सेनानी चन्द्रशेखर आज़ाद की जयंती, लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की पुण्य-तिथि आदि पर सामूहिक कार्यक्रम किए जाए।

165 फलदार पौधे रोपकर शुरू किया पंच-ज अभियान

माही की गूंज, शाजापुर।

म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के दिशा-निर्देशानुसार 11 से 25 जुलाई तक पंच-ज अभियान के तहत साप्ताहिक पर्यावरण दिवस मनाया जा रहा है। जिसके चलते जिला जेल परिसर एवं उसके आस-पास हाईवे एबी रोड़ पर वृक्षारोपण एवं पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम आयोजन कर फूल एवं फलदार पौधे रोपित कर ÷पंच-ज÷ अभियान का शुभारंभ किया गया। जिला न्यायाधीश एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शाजापुर की अध्यक्षता में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शाजापुर के द्वारा जल, जंगल, जन, जमीन व जानवरों की सुरक्षा व संरक्षा के संबंध में शासन द्वारा संचालित पंच-ज अभियान की शुरूआत 165 फलदार पौधे रोपकर की गई। उक्त कार्यक्रम के तहत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री राजेन्द्र देवड़ा ने आम, कटहल, अमरूद, जामुन, आंवला, सीताफल, पपीता, नीबू, संतरा, अनार, बेलपत्र इत्यादि। फलों के 165 फलदार पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण के संदेश दिया। उन्होंने बताया कि म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के कार्यपालक एवं अध्यक्ष द्वारा ÷पंच ज÷ जैसे जल, जंगल, जमीन, जन एवं जानवर जिनसे पारिस्थितिक तंत्र का नियंत्रित किया जाता है। आमजन में जागरूकता लाने के उद्देश्य से इन ÷पंच-ज÷ से संबंधित गतिविधियां सम्पूर्ण म.प्र. में आयोजित करने के निर्देश प्रसारित किये गये है, ताकि आमजन ऐसी सामग्रियों का उपयोग करे जो पुनः उपयोग करें जो पुनः उपयोग में ली जा सकती हो अथवा पुनर्निर्मित की जा सकती हो। जमीन को उपजाऊ करने के लिए अपशिष्ट खाद्य पदार्थों को खाद में परिवर्तित कर मृदा को समृद्ध बनाया जा सकता है। जानवरों एवं जंगली जीव जतुओं का

संरक्षण किया जाकर पारिस्थितिक तंत्र को मजबूत किया जा सकता। पंच-ज अभियान अंतर्गत आयोजित वृक्षारोपण एवं पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम में जेल अधीक्षक गोपाल सिंह गौतम, सहायक जेल अधीक्षक डीडी धुर्वे, मुख्य जैल प्रहरी पंकज तोमर व अन्य जेल के अधिकारी, पैरालीगल वालेंटियर, जेल स्टाफ तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारीगण द्वारा कई औषधीय एवं फलदार पौधे जैसे आंवला, शीशम, जामुन, नीबू सहित पौधों को लगाया गया।

एक हजार से अधिक गैर लाइसेंसी हथियार जप्त

माही की गूंज, मंदसौर। पंचायत एवं नगरीय निकाय आम निर्वाचन-2022 के तहत प्रदेश में कानून-व्यवस्था के मद्देनजर पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। अभी तक प्रदेश में एक हजार 473 गैर लाइसेंसी हथियार (आर्म्स) जप्त किए जा चुके हैं। प्रदेश में 2 लाख 58 हजार 131 लाइसेंसी हथियार जमा करवाए गए हैं। प्रिवेन्टिव सेक्सन ऑफ सीआरपीसी के तहत एक लाख 89 हजार 833 व्यक्तियों के विरूद्ध कार्यवाही की गयी है। अभी तक 24 हजार 6 गैर जमानती वारंट की तामीली भी की गई है।

7 करोड़ 7 लाख रुपए मूल्य की मदिरा जप्त

सचिव राज्य निर्वाचन आयोग राकेश सिंह ने जानकारी दी है कि, एक जून से 11 जुलाई तक प्रदेश में 64 हजार 773 बल्क लीटर मदिरा जप्त की गयी है। जप्त की गयी मदिरा का अनुमानित मूल्य 7 करोड़ 7 लाख 99 हजार 344 रूपए है।

थाना प्रभारी हाकम सिंह की आत्महत्या मामले में पुलिस ने एएसआई को लिया हिरासत में

माही की गूंज, उज्जैन।

इंदौर के पुलिस कंट्रोल रूम में सुसाइड करने वाले थाना प्रभारी हाकम सिंह के मामले में पुलिस ने एएसआई रंजना खांडे को हिरासत में लिया है। उज्जैन से उन्हें हिरासत में लेने के बाद पुलिस रंजना खांडे को लेकर इंदौर पहुंची। पुलिस को रंजना के उज्जैन से आगे जाने की सूचना मिली थी। रंजना पर सोमवार को ही पुलिस ने केस दर्ज किया था। इससे पहले मंगलवार को केस की एक अन्य आरोपी और हाकिम सिंह की तीसरी पत्नी रेशमा को भी पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है।

रंजना को भी मारी थी गोली

भोपाल के श्यामला हिल्स में पदस्थ थाना प्रभारी हाकम सिंह पंवार ने 24 जून को पहले एएसआई रंजना खांडे को गोली मारी थी। इसके बाद खुद गोली मारकर अपनी जान दे दी थी। इसके बाद रंजना को उपचार के लिये एमवाय अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उस वक्त दोनों के बीच कार को लेकर विवाद सामने आया था।

रंजना पर यह आरोप

एएसआई रंजना पर यह आरोप है कि, हाकम सिंह पवार को आत्महत्या के लिए उकसाने में उसकी अहम भूमिका रही है। पुलिस ने इस मामले में सूक्ष्मता से जांच के बाद आरोपी के विरुद्ध प्रकरण पंजीबद्ध कर गिरफ्तारी की है।

थाना प्रभारी को रेप केस में फंसाने की धमकी

पुलिस को इस मामले में हाकम सिंह की दूसरी पत्नी रेशमा और व्यापारी गोविंद जायसवाल की रिकॉर्डिंग मिली थी। जिसमें रेशमा लगातार रंजना और परिवार से रुपये लेने के लिए धमका रही थी। उसने थाना प्रभारी को रेप के केस में फंसाने की धमकी तक दे डाली थी। वह थाना प्रभारी हाकम सिंह से करीब 28 लाख रुपए मांग रही थी।

वही व्यापारी गोविंद जायसवाल भी हाकम सिंह के 25 लाख रुपए नहीं दे रहा था। थाना प्रभारी हाकम सिंह ने यह रूपये व्यापारी के पास रखे थे। रेशमा और गोविंद से बातचीत की कॉल रिकॉर्डिंग थाना प्रभारी ने कर ली थी। जो जांच में उनके मोबाइल में मिली थी।

चश्मदीद की हो चुकी मौत

इस मामले में चश्मदीद रंजना का भाई 5 जुलाई को संदेहास्पद तरीके से धामनोद के संजय नगर में जल गया था। जहां 7 जुलाई को उसने आनंद अस्पताल में दम तोड़ दिया था।

कमिश्नर हरिनारायण चारी मिश्र के अनुसार थाना प्रभारी हाकम सिंह पंवार की मौत के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों पर केस दर्ज किया है। जिसमे एएसआई रंजना खांडे, उसके भाई स्व. कमलेश खांडे, हाकम सिंह की दूसरी पत्नी रेशमा और व्यापारी गोविंद जयसवाल के खिलाफ धारा 306, 34 में केस दर्ज किया गया है।

कमिश्नर के मुताबिक, एसआईटी की जांच में सभी की कॉल डिटेल और जरूरी साक्ष्य सामने आए थे। अधिकारी के मुताबिक मामले में परिवार के बयान भी हुए थे। जिसमें उन्होंने चारों लोगों द्वारा उसे लगातार परेशान करने की बात बताई थी।

19 हजार रुपए से अधिक अवैध मदिरा तथा महुआ लहान जप्त

माही की गूंज, रतलाम।

कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी के आदेशानुसार, त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव एवं स्थानीय निकाय चुनावों के परिप्रेक्ष्य में रतलाम सहायक आयुक्त आबकारी श्रीमती नीरजा श्रीवास्तव के निर्देशन एवम सहायक जिला आबकारी अधिकारी आरसी बारोड, नियंत्रण कक्ष प्रभारी एमएल मांडरे के नेतृत्व में वृत्त रतलाम (स) प्रभारी अधिकारी पुष्पराजसिंह द्वारा 7 जुलाई को नंदलई, बंजली, पालसोड़ी व पाटडी क्षेत्र मे दबीश देकर 19 हजार रूपए से अधिक की देशी मदिरा, हाथ भट्टी मदिरा तथा महुआ लहान जब्त किया गया।

आबकारी विभाग द्वारा शांतिलाल पिता मांगीलाल के कब्जे से 20 पाव देशी मदिरा, रूकमाबाई पति मांगीलाल कटारा से 15 पाव प्लेन, कमल पिता रमेश गुर्जर 12 पाव देशी मदिरा प्लेन, विनोभा पति दीपक से 6 लीटर हाथ भट्टी मदिरा बबली बाई पति गलीय से 15 लीटर हाथ भट्टी मदिरा शांति बाई पति देवा से 12 लीटर हाथ भट्टी मदिरा, नाले किनारे से 30 लीटर हाथ भट्टी व 240 किलो महुआ लहान जब्त कर आबकारी अधिनियम 1915 के तहत 8 प्रकरण कायम किए गए। इस प्रकार कुल 63 बल्क लीटर हाथ भट्टी मदिरा, 47 पाव देशी मदिरा प्लेन एवं 240 किलो महुआ लहान जब्त किया गया। जब्त मदिरा एवम लहान की अनुमानित कीमत 19 हजार 380 रुपए आंकी गई। उक्त कार्रवाई में आबकारी उपनिरीक्षक वंदना अग्रवाल, चेतन वैद, केके पडरिया, मीनाक्षी रेवाले, आबकारी आरक्षक, बनसिंह अहरे, विक्टोरिया डामर, भगवती सोलंकी नगर सैनिक पंकज पोरवाल का विशेष योगदान रहा।

नगरीय क्षेत्र के स्कूल भवनों की मरम्मत के प्रस्ताव तैयार करें- कलेक्टर श्री जैन

माही की गूंज, शाजापुर।

नगरीय क्षेत्र के स्कूल भवनों की मरम्मत के प्रस्ताव तैयार करें। उक्त निर्देश कलेक्टर दिनेश जैन ने विभागीय समन्वय एवं समयसीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में दिए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्रीमती मंजूषा विक्रांत राय, अनुविभागीय अधिकारी श्रीमती शैली कनास सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

कलेक्टर श्री जैन ने कहा कि, शहरी क्षेत्र के विद्यालय भवनों की हालत अत्यंत खराब है। इनकी जिला शिक्षा केन्द्र समन्वयक मरम्मत के प्रस्ताव तैयार करें। साथ ही सीएमओ नगरपालिका मद से भी विद्यालय भवनो की मरम्मत कराएं। कलेक्टर श्री जैन ने नगरपालिका सीएमओ को निर्देश दिए कि शहरी क्षेत्रों की सड़कों के गड्ढे भरवाएं। साथ ही लोक निर्माण विभाग भी शहरी क्षेत्र से गुजरने वाली विभागीय सड़को की मरम्मत कराएं। नगरपालिका सीएमओ राष्ट्रीय राजमार्ग से पशु हटाने का काम निरंतर जारी रखें। भैरव पूर्णिमा के अवसर पर लगने वाले मेले के संबंध में कलेक्टर ने सीएमओ को भैरव डूंगरी के सड़क मार्ग पर मुरम डालने के निर्देश दिए। समयसीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने अल्पसंख्यक मंत्रालय की सीखो और कमाओं योजना के क्रियान्वयन के संबंध में अल्पसंख्यक एवं पिछड़ावर्ग संचालक से जानकारी ली। जिला पंचायत प्रतिनिधि को ग्राम गौरव दिवस आयोजन केलेण्डर बनाने के संबंध में निर्देश दिए। देवारण्य योजना के क्रियान्वयन के संबंध में कलेक्टर ने जिला आयुष अधिकारी को कार्य योजना बनाने के लिए कहा और आयुष औषधालयों को हेल्थ वेलनेस सेंटर में विकसित करने के कार्य की प्रगति के बारे में जानकारी ली। पशुचिकित्सा विभाग के उपसंचालक से कलेक्टर ने किसान कार्ड प्रगति की जानकारी ली। उपसंचालक कृषि को कलेक्टर ने जिले के टॉप 20

बायर्स की जानकारी सतत संकल्ति करने के निर्देश दिए। जिला संयोजक आदिम जाति कल्याण को कलेक्टर ने निर्देश दिए कि छात्रावासों में प्रवेश के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार कराएं। साथ ही छात्रों को छात्रावास में प्रवेश के दौरान प्रोफाईल अपडेशन में दिक्कत न आए इसके लिए छात्रावासों में ही हेल्प डेस्क बनाए। साथ ही जिले में विभाग द्वारा जितने भी मंगल भवन बनाएं गए है, उनका समाज उपयोग करें, इसके लिए नीति तय कर उसका क्रियान्वयन कराएं और मंगल भवन के आस-पास का अतिक्रमण हटवाएं। वन विभाग के परिक्षेत्र अधिकारी को कलेक्टर ने निर्देश दिए कि शहरी क्षेत्रो की आरा मशीनों को आबादी से बाहर करवाएं। साथ ही आरा मशीनों पर आने वाली लकड़ियों की जांच करें।

कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने कहा कि, भारत सरकार के ÷हर घर तिरंगा÷ अभियान 11 से 17 अगस्त तक चलाया जाना है, जिसके तहत सभी सरकारी संस्थानों, कार्यालय भवनों तथा प्रत्येक घरों में राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया जाएगा। इसके लिए सभी को झंडो का विक्रय उचित मूल्य पर किया जाएगा। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों से कहा कि अभियान के क्रियान्वयन के लिए अधिनस्थ स्टॉफ को तिरंगा ध्वज फहराने के लिए प्रेरित करें, साथ ही उन्हें अपने परिवार के अन्य घरों एवं पड़ोसियों को भी अभियान के दौरान तिरंगा ध्वज फहराने के लिए प्रेरित करने के लिए कहें। कलेक्टर ने महिला स्व-सहायता समूह की सहायता से झंडा तैयार के लिए एनआरएलएम के अधिकारी को निर्देश दिए।

बारिश में बिजली आपूर्ति एवं शिकायत निवारण पर गंभीरता रखें- तोमर

माही की गूंज, बड़वानी।

बरसात का दौर प्रारंभ हो चुका है, मौसम में बदलाव, तेज वर्षा, आंधी या पेड़, टहनियां गिरने से कई बार विद्युत आपूर्ति बाधित हो जाती है। मौसमी बदलाव से आई बाधा को दूर करने एवं उपभोक्ता शिकायत निवारण के प्रति कर्मचारी, अधिकारी गंभीरता से कार्य करे। साथ ही उपभोक्ता की शिकायतों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण करे। मप्रपक्षेविविकं इंदौर के प्रबंध निदेशक अमित तोमर ने बुधवार को सेंधवा में आयोजित बैठक के दौरान विद्युत विभाग के पदाधिकारियों को उक्त निर्देश दिये।

इस दौरान उन्होंने शासन और बिजली वितरण कंपनी की प्राथमिकता को समय सीमा में पूरा करने, उपभोक्ता शिकायत निवारण प्रक्रिया पर व ऊर्जस सेवा पर गंभीरता से कार्य करने के निर्देश दिए। श्री तोमर ने कहा कि, फीडरों का डाटा ऑनलाइन हो, राजस्व संग्रहण भी लक्ष्य के अनुरूप अर्जित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि, राजस्व संग्रहण के लिए दैनिक लक्ष्य बनाकर अमल में लाए, अधीक्षण यंत्री प्रतिदिन डिविजनों का और कार्यपालन यंत्री इसी तरह नियमित रूप से वितरण केंद्रों के राजस्व एकत्रण की समीक्षा करे व अगले दिन गेप दूर करे। इस दौरान मुख्य अभियंता इंदौर क्षेत्र पुनीत दुबे, अधीक्षण यंत्री सुरेंद्र सूर्यवंशी, कार्यपालन यंत्री आनंद अहिरवार, केएस मालवीय उपस्थित थे।

नवगठित नगर परिषद ठीकरी एवं निवाली बुज़ुर्ग के मतादाताओं में दिखा खासा उत्साह

माही की गूंज, बड़वानी।

जिले में नवगठित नगर परिषद ठीकरी एवं निवाली बुजुर्ग में पार्षद पद के निर्वाचन हेतु बुधवार को 19-19 मतदान केन्द्रो पर प्रातः 7 से शाम 5 बजे तक मतदान हुआ। इस दौरान दोनो नगर परिषदो में औसत रूप से 79.73 प्रतिशत मतदान हुआ है। स्थानीय निर्वाचन आयोग के प्रेक्षक प्रभात कुमार वर्मा, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी शिवराजसिंह वर्मा तथा पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला ने दोनो नगर परिषदो में बनाये गये 19-19 मतदान केन्दो पर पहुंचकर जहॉ चल रहे मतदान का निरीक्षण किया, वहीं संबंधित एसडीएम एवं रिटर्निंग अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिये। मतदान करके लौट रहे लोगो को दिया पौधा प्रेक्षक प्रभात कुमार वर्मा, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी शिवराजसिंह वर्मा तथा पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला ने दोनो नगर परिषदो में बनाये गये आदर्श मतदान केन्द्रो पर पहुचकर मतदान कर लौट रहे मतदाताओं को एक-एक फल का पौधा भी वितरित किया। जिससे गुरू पुर्णिमा के अवसर पर मतदाता इन्हें अपने घर-आंगन, खेत-खलिहान में लगाकर भारतीय परम्परा का निर्वहन करते हुये पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान दे सके।

नगर परिषद ठीकरी में हुआ 76.66 प्रतिशत मतदान

नवगठित नगर परिषद ठीकरी में बनाये गये 15 वार्डो के 19 मतदान केन्द्रों पर औसत रूप से 79.66 प्रतिशत मतदान हुआ है। यहॉ पर मतदान करने वालो में पुरूषो का प्रतिशत 79.07 तथा महिलाओं का प्रतिशत 74.20 रहा है। इस दौरान कुल 10 हजार 29 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया है। वोट देने वालो में पुरूषो की संख्या 5 हजार 221 एवं महिलाओं की संख्या 4 हजार 808 है। नगर परिषद निवाली बुजुर्ग में हुआ 82.8 प्रतिशत मतदान नवगठित नगर परिषद निवाली बुजुर्ग में बनाये गये 15 वार्डो के 19 मतदान केन्द्रों पर औसत रूप से 82.8 प्रतिशत मतदान हुआ है, यहॉ पर मतदान करने वालो में पुरूषो का प्रतिशत 85 तथा महिलाओं का प्रतिशत 80.7 रहा है। इस दौरान कुल 10 हजार 831 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया है। वोट देने वालो में पुरूषो की संख्या 5 हजार 423 एवं महिलाओं की संख्या 5 हजार 407 है। जबकि 1 अन्य मतदाता ने अपने मताधिकार का उपयोग किया है। चॉक-चौबंद रही व्यवस्थाऐं नवगठित नगर परिषद ठीकरी एवं निवाली बुजुर्ग में मतदान के पूर्व समस्त मतदान केन्द्रो पर ईव्हीएम में मॉकपोल करके उपस्थित अभ्यर्थियो एवं उनके एजेंटो को दिखाया गया। तत्पश्चात प्रातः 7 बजे से मतदान का कार्य प्रारंभ किया गया। दोनो नगर निकायो में मतदान की प्रक्रिया शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित तरीके से संचालित हुई।

एसडीएम राजपुर वीरसिंह चौहान ने ठीकरी एवं एसडीएम पानसेमल सुश्री अंशु जावला ने निवाली बुजुर्ग के मतदान केन्द्रो का सत्त निरीक्षण किया। साथ ही नियुक्त सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं सेक्टर अधिकारियों ने भी अपनी उपस्थिति सत्त मतदान केन्द्रो पर बनाये रखी।

गुरु पूर्णिमा पर कार्यकर्ताओं ने किया सम्मान, हुई परिचर्चा

माही की गूंज, बड़वानी।

शहीद भीमा नायक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बड़वानी के स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्षन प्रकोष्ठ के कार्यकर्ताओं ने गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर प्राचार्य डॉ. एनएल गुप्ता, प्रो. लोकेन्द्र वर्मा, डॉ. प्रवीण मालवीया, कॅरियर काउंसलर डॉ. मधुसूदन चौबे तथा अन्य गुरुओं का भावभीना अभिनंदन किया। पुष्पवर्षा, पुष्पहार, आरती आदि से गुरुजनों के प्रति कार्यकर्ताओं प्रीति गुगलवानिया, सलोनी शर्मा, वर्षा शिंदे, कन्हैया फूलमाली, अंतिम मौर्य, किरण वर्मा, उमेश राठौड़, राहुल भंडोले, राहुल सेन, स्वाति यादव, राहुल वर्मा, प्रीतम राठौड़, रागिनी मालवीया, जगमोहन गोले, नंदिता गोले, निषा केवट, खुशाली मालवीया, ज्योति कुमावत, लाली वर्मा, ने किया।

इस अवसर पर गुरु की महत्ता पर परिचर्चा का आयोजन भी किया गया, जिसमें प्राचार्य डॉ. एनएल गुप्ता, डॉ. प्रवीण मालवीया, प्रीति गुलवानिया, किरण वर्मा, सलोनी शर्मा आदि ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि गुरु का सान्निध्य व्यक्तित्व को निखारकर नया स्वरूप प्रदान करता है। प्राचार्य डॉ. गुप्ता ने आशीर्वाद देते हुए कहा कि, आप सभी परिश्रम करके अपनी मंजिल को प्राप्त करें। गुरु भक्ति और गृरुकृपा पर आधारित दृष्टांत, कविता, गीत प्रस्तुत किये गये। संचालन सलोनी शर्मा ने किया। आभार प्रीति गुलवानिया ने व्यक्त किया।

गुरू पूर्णिमा पर्व पर कलेक्टर-एसपी ने किया पौधरोपण

गुरू पूर्णिमा पर्व पर कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा एवं पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला ने बुधवार को जिले के भ्रमण के दौरान विभिन्न स्थानों पर पौधारोपण किया। इस दौरान उन्होने सभी को संदेश दिया कि कोविड महामारी के समय हम सभी ने अपने अपनो के लिए या दूसरो लोगो के लिए आक्सीजन की कमी को देखा है। अतः हम सभी इस बरसात के मौसम में किसी एक जगह का चयन कर वहां पर परिवार, दोस्तो, स्टाफ के साथ मिलकर पौधारोपण करे तथा उस जगह को

हरियाली से आच्छादित करे। बुधवार को कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा एवं पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला ने वन मण्डल सेंधवा के सामाजिक वानिकी के तहत आदिवासी बालक महाविद्यालय सेंधवा, पुलिस थाना परिसर सेंधवा, कन्या शिक्षा परिसर सेंधवा में पौधारोपण किया। इस दौरान वनमण्डलाधिकारी अनुपम शर्मा, एसडीएम सेंधवा श्रीमति तपस्या परिहार, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग निलेश सिंह रघुवंशी उपस्थित थे।

केन्द्रीय विद्यालय में हुआ विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन

माही की गूंज, बड़वानी।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष/प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री आनंद कुमार तिवारी के निर्देशन मे सचिव अमित सिंह सिसोदिया ,जिला न्यायाधीश श्रीमति सारिका गिरी शर्मा द्वारा बड़वानी के केन्द्रीय विद्यालय मे विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। बच्चो को विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्य करने की प्रणाली, निशुल्क विधिक सहायता, पीड़ित प्रतिकर योजना, लिंग भेद, समाज में महिलाओ की भूमिका और महत्त्व, शिक्षा और शिक्षा के अधिकार एवं उसके महत्त्व, बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ के नारे के साथ जानकारी दी गयी। पुलिस स्टेशन से लेकर कोर्ट तक की कार्रवाई कैसे कर सकते हैं इस बारे में विस्तार से बताया पुलिस स्टेशन में एफआईआर कैसे दर्ज करा सकते हैं और अगर आपकी एफआईआर दर्ज नहीं होती है तो हमें क्या करना चाहिए। इस बारे में विस्तार से बताया। श्रीमति सारिका गिरि शर्मा के द्वारा कानुनी संबंधी जानकारी दी गई साथ ही पॉस्को एक्ट से भी अवगत कराया गया। उनके द्वारा साइबर अपराधों से बचने के संबंध में बताया गया साथ ही बच्चों को मोबाइल में इंटरनेट का उपयोग सावधानी से करने के साथ-साथ यह भी बताया गया कि किसी भी तरह के ऐसे गेम जो हमारे लिए हानिकारक है उनको नहीं खेलना चाहिए। यदि हम घर से बाहर किसी काम से जाते हैं तो हमें माता-पिता को जरूर बताना है साथ ही नशामुक्ति की शपथ भी दिलाई गई। चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 ,विधिक सेवा प्राधिकरण के टोल फ्री नंबर 15100, डायल 100, महिला हेल्पलाइन नंबर 1090 की जानकारी दी गई। उनके द्वारा बालिकाओं को गुड टच बैड टच की महत्वपूर्ण जानकारी दी गयी। बाल विवाह कानूनन अपराध है। 18 वर्ष से कम उम्र की बालिका, 21 वर्ष से कम उम्र के बालक का विवाह होने पर कानूनी कार्रवाई से अवगत कराया गया । इस अवसर पर जिला विधिक सहायता अधिकारी दिलीप सिंह मुझाल्दा केन्द्रीय विद्यालय के प्राचार्य कुंदन राठौर, काउसंलर महिला डेस्क श्रीमति अनिता चोयल सहित समस्त स्टाफ एवं बड़ी संख्या में बालक बालिकाएं उपस्थित थे।

विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा पंचज अभियान के तहत किया जाएगा पौधारोपण

माही की गूंज, बड़वानी। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण आनंद कुमार तिवारी के मार्गदर्शन में जिला न्यायालय के न्यायाधीश अमित सिसोदिया, न्यायालयीन स्टाफ, पैरालीगल वालियंटर्स ने गुरू पूर्णिमा पर्व पर पुर्नबसाहट कसरावद में पौधारोपण कर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा चलाये जाने वाले पंचज अभियान का शुभारंभ किया।

इस दौरान जिला न्यायाधीश अमित सिसोदिया ने बताया कि, पंचज अभियान के अंतर्गत पर्यावरण को संरक्षित करने के उद्देश्य से 15 अगस्त तक जिले में वृहद पौधारोपण की निरंतर गतिविधियां आयोजित की जायेगी। इस दौरान उन्होने बताया कि, पेड़ प्रकृति की अनुपम देन है पेड़ एक देश की बहूमूल्य सम्पदा होते है। जहा पेड़ अधिक संख्या में होते है वहाँ वातावरण स्वच्छ होता है। पेड़ हमारे जीवन का अभिन्न अंग है इनकी रक्षा करना हमारा दायित्व है। जब तक पृथ्वी पर पेड़ो का अस्त्वि है तब तक मानव जीवन का अस्त्वि है। इसलिए हमे अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिये। उक्त वृक्षारोपण अभियान में जिला विधिक सहायता अधिकारी दिलीप मुझाल्दा, श्रीमती हरषा यति, श्रीमती सुनीता चौहान, श्रीमती शैली सोलंकी, शिवराज सिंह तंवर उपस्थित थे।

साधु ने आदिवासी युवक पर फरसे से किया हमला

माही की गूंज, खण्डवा।

जिले में एक साधु का वीडियो वायरल हुआ है। वायरल वीडियो में साधु फरसा लिए एक व्यक्ति पर हमला करता नजर आ रहा है। जानकारी अनुसार यह वीडियो खंडवा के खालवा विकास खंड में रोशनी चौकी के काली घोड़ी क्षेत्र का बताया जा रहा है। यहां एक मंदिर पर पूजा का सामान बेचने वाले आदिवासी युवक पर मंदिर के कथित पुजारी ने फरसे से हमला कर दिया था। इस घटना का वीडियो वायरल होने के बाद आदिवासी समाज ने ज्ञापन देकर कथित साधु पर कार्यवाही की मांग की। पुलिस ने साधु के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया।

खंडवा के आदिवासी ब्लॉक खालवा के ग्राम रोशनी में एक साधु का फरसे से हमला करते वीडियो वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में साधु एक व्यक्ति पर फरसा लेकर हमला करते नजर आ रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि व्यक्ति साधु से बचने का प्रयास कर रहा है। साधु का वीडियो वायरल होने बाद आदिवासी समाज में रोष व्याप्त हो गया। आदिवासी समाज के लोग कथित साधु की शिकायत लेकर रोशनी पुलिस चौकी पर पंहुचे। समाज के लोगों ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन हरसूद एसडीओपी को भी सौपा। आदिवासी समाज के लोगों ने ज्ञापन में मांग करी कि हमला करने वाले साधु पर सख्त कार्रवाई की जाए।

आदिवासी कोरकू समाज के अध्यक्ष रामजी चौहान ने बताया कि, रोशनी पुलिस चौकी के अंतर्गत आने वाले काली घोड़ी वन क्षेत्र में माता जी का मंदिर है यहाँ आदिवासी समाज के लोग मंदिर के समीप पूजा का सामान बेचने का काम करते है। मंदिर में एक साधु भी रहते है। जो वहां कभी कभी ही आते है। समाज के लोगों ने मंदिर से बिजली का कनेक्शन ले रखा है। जिसका बिल जमा करना था। इसी बात को लेकर पाखंडी साधू पंकज मुनि ओर कोरकू समाज के युवक के बीच विवाद हो गया। बिजली का बिल आधा आधा जमा करने पर सहमति भी बन गई लेकिन उसके बाद भी पाखंडी साधु ने आदिवासी समाज के युवक पर हमला कर दिया।

कोरकू समाज के अध्यक्ष रामजी चौहान ने बताया कि, हमने वायरल वीडियो देखा और जानकारी ली। काली घोड़ी में घटित आदिवासी समाज के युवक की दुकान पर जिस तरह पाखंडी साधू पंकज मुनि फरसा लेकर जान से मारने का प्रयास कर रहा है और गंदी गालियां दे रहा है। ऐसे पाखंडी बाबा पर तुरन्त एट्रोसिटी एक्ट में कार्यवाही होना चाहिए। पाखंडी बाबा पर अभी तक कार्रवाई नहीं हुई मतलब उसे आरएसएस से राजनीतिक संरक्षण मिल रहा है,इस संबंध में कोरकू समाज और जयस को आगे आना चाहिए। कोरकू समाज के अध्यक्ष ने कहा कि हमने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन एसडीओपी हरसूद ओर रोशनी पुलिस चौकी में देकर मांग की है कि फर्जी बाबा जिस तरह से आदिवासी समाज को गालियां दे रहा है, जान से मारने की नीयत से फरसा लेकर दौड़ रहा है उसके खिलाफ केस दर्ज कर उसे जेल भेजा जाए।

खंडवा पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह ने बताया कि, काली घोड़ी में माता मंदिर के पास एक साधु ओर युवक के बीच विवाद हो गया था। युवक पर हमला करने वाले कथित साधु के विरुद्ध 307, 294, 323 का मामला दर्ज कर लिया है।

माही की गूंज, बामनिया।

गुरु पूर्णिमा पर्व के उपलक्ष्य में बामनिया के युवायों द्वारा श्री मंशापूर्ण खेड़ापति हनुमानजी मंदिर पर वृक्षारोपण हेतु पहल की गई। ग्रीन बामनिया अपना बामनिया।

कलेक्टर ने बीईओ, बीआरसी, बीएसी एवं जनशिक्षकों की बैठक लेकर किया निर्देशित

माही की गूंज, बड़वानी। सर्व शिक्षा अभियान अंतर्गत आयोजित गतिविधियों की समीक्षा हेतु कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा की अध्यक्षता में, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अनिल डामोर एवं जिला शिक्षा अधिकारी तथा डीपीसी संजयसिंह तोमर की उपस्थिति में जिले के समस्त बीईओ, बीआरसी, बीएसी, एमआईएस एवं जनशिक्षकों की बैठक का आयोजन बुधवार को सहायक आयुक्त जनजातीय विभाग बडवानी के सभागृह में आयोजित की गई। बैठक के दौरान कलेक्टर श्री वर्मा ने निर्देशित किया की नए शैक्षिणक सत्र में अच्छा शैक्षणिक माहौल बनाने के लिए रणनीति बनाकर कार्य की प्राथमिकता से कार्य किया जाये। जिले में निरिक्षण के दौरान अच्छे शिक्षकों एवं शालाओं की पहचान करें ताकि उन्हें पुरस्कृत किया जा सके। साथ ही जो अपने काम में लापरवाही बरतते है ऐसे शिक्षकों के विरूद्ध कार्यवाही भी की जाऐं। जिला शिक्षा केन्द्र द्वारा तैयार गुगल शीट पर मॉनिटिरिंग की रिपोर्ट दर्ज करें। जो शिक्षक अनाधिकृत अनुपस्थित पाऐ जाते है उनके विरूद्ध पहलीबार में 7 दिन का वेतन, दुसरीबार में 15 दिन का वेतन काटने की कार्यवाही की जाये। वही कलेक्टर ने निर्देशित किया कि बच्चों के शैक्षणिक स्तर की जांच हेतु निरीक्षण के दौरान बच्चो को शाला में पढ़ाया जाये। साथ ही कलेक्टर ने निर्देशित किया कि रिक्त, अनुउपयोगी, शाला भवनों की जानकारी जिला कार्यालय को दी जाये जिससे अनुपयोगी भवनो को उपयोग में लाया जा सके। पात्रता अनुसार समस्त बच्चों की समग्र आयडी, आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, जाति प्रमाण-पत्र बनाना सुनिश्चित करें।

नगर परिषद के 15 वार्ड पार्षदों के लिए 76.79 प्रतिशत हुआ मतदान

माही की गूंज, भानपुरा।

नगर परिषद भानपुरा के 15 वार्डो के लिए 13 जुलाई को मतदान हुआ। सुबह 7 बजे से मतदान शुरु हुआ जो शाम 5 बजे तक चला। सभी मतदान केन्द्रौ पर भारी भीड रही। उम्मीदवार व उनके समर्थक मतदाताओ को मतदान केन्द्र पर लाने के लिए पुरे जोर शोर से लगे रहे। मतदाताओ को लाने मे कई बार वार्डो मे उम्मीदवार व उनके समर्थको के बीच तनातनी भी हुई। पुलिस व प्रशासन पुरी तरह मुस्तेद नजर आया। जहा भी तनावपुर्ण स्तिथी दिखी सख्ती से सभालां। वार्ड क्र 2, 3, 4, 11, 12, 13, 15 व मुस्लिम बहुल वार्डो 5, 6, 7 मे मतदान केंद्रों के बाहर भारी भीड थी। यहा उम्मीदवारो कि सख्यां भी ज्यादा थी। भाजपा व कांग्रेस के अधिक्रत उम्मीदवारो के साथ ही नगर के वार्ड क्र 1, 4, 11 व 13 मे निर्दलीय उम्मीदवार प्रचार मे व मतदान केन्द्र पर भारी संख्या में नजर आए। इन वार्डो मे आश्चर्यजनक परिणाम सामने आ सकते हे। काग्रेस के जो दिग्गज मेदान मे थे उनमे शीतल भुटानी, विनोद भानपिया, मुर्तज बोहरा, नरेन्द्र दुबे, रेखा सोनी प्रमुख है तो भाजपा मे जिला मंत्री अजय तिवारी, श्रीमती योगिता ठोरा, श्रीमती कविता कसेरा, यशवतं बम्बोरिया, अनुराग वर्मा व श्रीमती सुरभि परिहार तो निर्दलीय दिग्गजो में श्रीनाथ उपाध्याय, मनीष जैन हरसौला, दिनेश मादलियां, सोरभ विश्वकर्मा, राकेश माली, डॉ. अरुण तिवारी प्रमुख है।

भानपुरा के 15 वार्डो मे कुल 16 हजार 789 मतदाता थे इसमे से कुल 12 हजार 892 ने मतदान किया। कुल मत प्रतिशत 76.79 रहा। सबसै अधिक मतदान वार्ड क्रमाकं 8 मे 84.32 प्रतिशत रहा। वही वार्ड क्रमाकं 13 मे 83 प्रतिशत, वार्ड क्रमाकं 14 मे 82.85 प्रतिशत रहा। सबसे कम मतदान वार्ड क्रमाकं 6 मे 65.49 प्रतिशत रहा। वार्ड क्रमाकं 1 मे 69.43 प्रतिशत व वार्ड 10 मे 69.04 प्रतिशत मतदान हुआ। बारिश के कारण जरुर मतदान प्रभावित रहा। गत विधानसभा चुनाव मे जितना मतदान हुआ था उससे कम मतदान इस बार हुआ। साथ ही हाल ही मे पंचायत चुनावो मे हुए मतदान से भी यह प्रतिशत कम है। पुरे चुनाव मे छुटपुट घटनाओ को छोडकर मतदान शान्ति पुर्ण रहा।

निर्वाचन अधिकारी तहसीलदार नारायण नादेडा पुरे समय मतदान केन्द्रो का दोरा करते रहे ओर व्यवस्था कि जानकारी ली, वही पुलिस प्रशासन भी सख्त था। भाजपा कि ओर से विधायक देवीलाल धाकड सक्रिय रहे तो काग्रेसं कि ओर से सुभाष सोजतिया अपने निवास स्थान से काग्रेस कि पुरी कमान सभालें थे। कुछ वार्डो मे भाजपा का तो कुछ वार्डो मे काग्रेसं का जोर साफ नजर आया, वही दो वार्डो मे निर्दलीय पुरे समय आगे रहे।

सैनिक की पुत्री नवोदय विद्यालय में प्रथम व सैनिक स्कूल में द्वितीय स्थान पर हुई चयनित

माही की गूंज, अलीराजपुर।

जिले के ग्राम सुखी बावड़ी के निवासी अबी सस्तिया जो कि भारतीय सेना में सैनिक नायक के पद पर कार्यरत है। इनकी पुत्री कु. गायत्री सस्तिया का चयन कक्षा 6 टी में जवाहर नवोदय विद्यालय अलीराजपुर में प्रवेश परीक्षा में प्रथम स्थान पर हुआ। इसी के साथ इस बालिका चयन सैनिक स्कूल बालाचड़ी (गुजरात) में भी प्रवेश परीक्षा में दूसरे स्थान पर हुआ है। उक्त बालिका ने प्रारंभिक अध्ययन अलीराजपुर की पटेल पब्लिक स्कूल में रहकर की है। बालिका की सफलता पर ग्राम सुखी बावड़ी के समाजजनों, जनप्रतिनिधियों एवं पटेल पब्लिक स्कूल अलीराजपुर के स्टॉफ में हर्ष की लहर है। सभी ने बालिका के उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी है।

कलेक्टर की अध्यक्षता में आयोजित हुई स्कूल शिक्षा विभाग की बैठक

अनुपस्थित रहने पर बीआरसी में पदस्थ चार कर्मचारी निलंबित

माही की गूंज, अलीराजपुर।

कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में स्कूल शिक्षा विभाग के जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारीगण की बैठक आयोजित हुई। बैठक में बच्चों की शत प्रतिशत स्कूलों में उपस्थिति के निर्देश देते हुए बच्चों के नियमित स्कूल आने संबंधित किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री सिंह ने स्कूल शिक्षा विभाग की बैठक में अनुपस्थित रहने पर बीआरसी कटठीवाडा में पदस्थ एमडीएम प्रभारी, स्थापना प्रभारी सहित दो अन्य बीएससी को निलंबित करने के आदेश दिए। समीक्षा बैठक के दौरान कलेक्टर श्री सिंह ने स्पष्ट निर्देश दिए कि काम में कोताही किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। काम में कोताही करने वालों पर तत्काल कार्रवाई सुनिचित की जाए। उन्होंने स्कूलों में मध्यान्ह भोजन वितरण प्रतिदिन मीनू अनुसार प्रदाय करने के निर्देश दिए। मध्यान्ह भोजन निर्माण एवं वितरण की प्रतिदिन मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने खाद्यान्न वितरण नहीं करने वाले समूहों को तत्काल हटाए जाने की कार्रवाई के निर्देश दिए। बीईओ, बीआरसी, बीएससी, सीएससी नियमित मॉनिटरिंग करते हुए मॉनिटरिंग रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। रिपोर्ट प्रस्तुति करने पर ही भ्रमण की मान्यता सुनिचित की जाएगी। प्रतिदिन विद्यालयों में बनने और वितरित होने वाले मध्यान्ह भोजन की फोटो भी ली जाकर वितरण की शत प्रतिशतता सुनिचित की जाए। बैठक में पुस्तक वितरण सहित अन्य जानकारियों की समीक्षा की गई।

बैठक में मुख्य कायर्पालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती संस्कृति जैन, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग सुश्री जानकी यादव, डीईओ अर्जुन सिंह सोलंकी, डीपीसी डॉ. द्विवेदी, समस्त बीईओ, बीआरसी, बीएससी सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

कस्बे में बोहरा तथा मुस्लिम जमात ने मनाई ईद

माही की गूंज, आम्बुआ।

आम्बुआ तथा समीप ग्राम बोरझाड़ के बोहरा समाज के नागरिकों ने बकरीद का त्यौहार मनाया। मस्जिद हॉल में सुबह ही नमाज अदा की गई। इसी तरह मुस्लिम जमात ने भी 1 दिन बाद ईद की नमाज बारिश के कारण ईदगाह की जगह मस्जिद में अदा की। इसके बाद कई परिवारों में बकरा-बकरियों की कुर्बानी दी गई। दिनभर दावतों का दौर चलता रहा। ईद की कुर्बानी लगभग 3 दिनों तक की जाती है। नमाज के बाद सभी ने गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। हिंदू भाइयों ने भी मुस्लिम तथा बोहरा भाइयों को ईद की मुबारकबाद दी। दोनों समाज की ईद शांति पूर्वक मनाई। नमाज के दौरान पुलिस व्यवस्था भी चाक-चौबंद रही।

जिला पंचायत की मतगणना में अभियार्थी व उनके प्रतिनिधि रहेंगे उपस्थित

माही की गूंज, अलीराजपुर। त्रि स्तरीय पंचायत आम निवार्चन 2022 के तहत जिला पंचायत सदस्य हेतु चुनाव लडने वाले अभ्यर्थियों अथवा उनके प्रतिनिधि 15 जुलाई को सुबह साढ़े 10 बजे से कलेक्टोरेट कायार्लय के कक्ष क्रमांक 22 में जिला पंचायत सदस्य के मतगणना का सारणीकरण में उपस्थित रह सकेंगे। अपर कलेक्टर एवं उप जिला निवार्चन अधिकारी श्रीमती संस्कृति जैन ने जिला पंचायत के वार्ड क्रमांक एक से 13 तक के समस्त अभ्यर्थियों को उक्त संबंध में आवशयक सूचना जारी की है।

जल प्रदाय करने वाली मोटर जली, नई मोटर ट्यूबवेल में गिरने से जल वितरण व्यवस्था चरमराई

पंचायत द्वारा कस्बे में टैंकर से किया जा रहा जल वितरण

माही की गूंज, आम्बुआ।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव संपन्न होने तथा विजयी सरपंचों को प्रमाण पत्र एवं शपथ विधि तथा पंचायत का कार्यभार प्रशासनिक अधिकारी के पास होने से कई परेशानियां ग्राम पंचायत क्षेत्रों में खड़ी होने लगी है। जिले की बड़ी पंचायतों में शुमार आम्बुआ ग्राम पंचायत भी ऐसी समस्या से रूबरू हो रही है। यहां विगत तीन-चार दिनों से जल प्रदाय कार्य में बाधा आ रही है जिसके लिए टैंकरों से जल प्रदाय किया गया।

हमारे संवाददाता के अनुसार आम्बुआ ग्राम पंचायत द्वारा संचालित नल जल टंकी में जलापूर्ति करने वाले ट्यूबवेल की मोटर वोल्टेज के उतार-चढ़ाव के कारण जल गई। पंचायत द्वारा नई मोटर क्रय कर जब ट्यूबवेल में डाली गई तो पुराने पाइप के आटे (ग्रीप) खराब (स्लिप) हो जाने के कारण मोटर अंदर गिर गई। जिस कारण कस्बे में विगत तीन-चार दिनों से जल प्रदाय नहीं हो पा रहा था। मगर प्रशासनिक अधिकारी एवं सचिव भाबर तथा नवनिर्वाचित सरपंच जिन्हें अभी जीत का प्रमाण पत्र और जिनका शपथ विधि एवं जिन्हें अभी कार्यभार नहीं मिला है ने मिलकर व्यवस्था को संभालते हुए पाइप निकाल कर मरम्मत हेतु भेजने के बाद 11 जुलाई को कस्बे में टैंकर से जल प्रदाय कर नागरिकों को जल उपलब्ध कराया है। साथ ही अति शीघ्र टंकी से जल प्रदाय करने का आश्वासन दिया।

सचिव भाबर ने बताया कि, मोटर जल जाने तथा दूसरी मोटर बोर में गिर जाने से जल प्रदाय में परेशानी हुई है अति शीघ्र सुचारू रूप से जल प्रदाय किया जाएगा।

रमेश रावत नवनिर्वाचित सरपंच आम्बुआ का कहना है, अचानक मोटर जल जाने एवं दूसरी मोटर भी अंदर गिर जाने से जल प्रदाय नहीं हो सका। जब तक मोटर चालू नहीं हो जाती टैंकरों से जल प्रदाय किया जाएगा।

दस्तक अभियान के तहत जिला स्तरीय टॉस्क फोर्स की बैठक संपन्न

माही की गूंज, अलीराजपुर।

कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में दस्तक अभियान 2022 की जिला स्तरीय टॉस्क फोर्स बैठक आयोजित हुई। बैठक में 0.5 वर्ष के बच्चों की सेहत के लिए घर-घर दस्तक देकर बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं दवाई की खुराक पीलाए जाने हेतु मैदानी स्तर की तैयारियों एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा कलेक्टर श्री सिंह ने की। उन्होंने सभी को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए उक्त अभियान को मैदानी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन हेतु आवश्यक निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य कायर्पालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती संस्कृति जैन, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग सुश्री जानकी यादव, एसडीएम अलीराजपुर एवं कट्ठीवाडा श्रीमती लक्ष्मी गामड, एसडीएम जोबट डीएन सिंह, एसडीएम चन्द्रोखर आजाद नगर सुश्री किरण आंजना, एसडीएम सोंडवा सुश्री प्रियांशी भंवर, सीएमएचओ डॉ. प्रकाश ढोके, डीईओ अर्जुनसिंह सोलंकी, डीपीओ आईसीडीएस श्रीमती शिवकली वरवडे, समस्त बीएमओ, बीईओ, सीडीपीओ आदि उपस्थित थे। बैठक में जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. फूंकवाल ने पूरे दस्तक अभियान 2022 के तहत किए जाने वाले कार्य की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की।

केंद्रीय मंत्री सिंधिया के बंगले में घुसा नाले का पानी

भोपाल।

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में भारी बारिश के चलते कई कॉलोनियों में जलभराव हुआ। सड़के पानी में डूब गई। यही नहीं, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के बंगले में नाले का पानी बहने का वीडियों सामने आया है।

वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि कर्मचारी रात भर बंगले के कमरों से पानी निकालने में लगे रहे। मालूम हो कि केंद्रीय मंत्री श्यामलाहिल्स में बी-5 सरकारी बंगले में रहते हैं।

सोमवार रात को भारी बारिश के बाद बंगले में पीछे की तरफ से नाले का पानी घुस आया। पानी का बहाव इतना ज्यादा था कि वह उनके सभी कमरों में घुस गए। जिसके चलते कर्मचारी रात भर कमरों से पानी निकालते रहे।

मौसम विभाग ने मध्य प्रदेश के 52 में से 33 जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया, जबकि लगातार बारिश के बीच आकाशीय बिजली गिरने से पिछले सात लोगों की जान चली गई। राजस्व विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि, सोमवार दोपहर ढाई बजे समाप्त 24 घंटे की अवधि में विभिन्न स्थानों पर बिजली गिरने से सात लोगों की मौत हो गई, जिससे एक जून से अब तक राज्य भर में ऐसी घटनाओं से मरने वालों की संख्या 60 हो गई।

लेडी अफसर ने नेता को दिखाया सिंघम अंदाज

माही की गूंज, उज्जैन। जिला मुख्यालय से 50 किलोमीटर दूर बड़नगर में पूर्व विधायक शांतिलाल धबाई और एसडीएम निधि सिंह के बीच बहस और तनातनी का वीडियो खूब वायरल हो रहा है। काम के दौरान भाजपा नेता की ओर से दबाव बनाए जाने पर जिस अंदाज में लेडी अफसर ने जिस अंदाज में उन्हें फटकार लगाई उसकी खूब चर्चा हो रही है। नौकरी को लेकर की गई टिप्पणी पर नाराज अफसर ने पूर्व विधायक को तमीज से बात करने की नसीहत देते हुए नौकरी से निकलवाने की भी चुनौती दी।

यह घटना 4 दिन पहले की है। जिसका वीडियो अब वायरल हुआ है। घटना स्थल बंगरेड ग्राम है। यहां लंबे समय से जलभराव की समस्या है। स्थानीय लोगों की शिकायत के बाद एसडीएम जेसीबी लेकर पहुंची थीं। तभी किसी ने पूर्व विधायक शांतिलाल धबाई को बुला लिया। यहां दोनों के बीच जमकर कहासुनी हो गई। बताया जा रहा है कि, पूर्व विधायक शांतिलाल धबाई अफसर से काम रोकने के लिए कह रहे थे। उनका कहना था कि किसी और जगह पाइप डालकर पानी की निकासी की जाए।

कुछ देर तो दोनों के बीच आराम से बातचीत हुई। लेकिन इस दौरान कथित तौर पर विधायक ने एसडीएम निधि सिंह की नौकरी पर टिप्पणी कर दी। इससे निधि सिंह बेहद नाराज हो गईं। एसडीएम ने कहा, तमीज से बात करो, तू कौन होता है मुझसे यह कहने वाला कि कितने दिन नौकरी करोगी। तू मुझे मेरा काम मत सिखा, यहां से दफा हो जाओ। निकलवा देना मुझे नौकरी से निकलवा सकता है तो। मौके पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों और पूर्व विधायक के कार्यकर्ताओं ने भाजपा नेता को वहां से हटा दिया। बताया जा रहा है कि पूर्व विधायक ने एसडीएम निधि सिंह की शिकायत कलेक्टर से और सीएम से की है।

जर्जर पुल दे रहा हादसों को न्योता, तस्वीरें बया कर रही हालत

आंगनवाड़ी नजदीक होने पर बच्चों के साथ दुर्घटना होने का बना हुआ है भय

माही की गूंज, अलीराजपुर।

नगरीय क्षेत्र फिल्टर प्लान्ट और आंगनबाड़ी तक जाने वाले मार्ग में पुल पुरी तरह से जर्जर हो चूका है इस पूल की वजह से कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। पुल के ऊपर से गुजरने वाले राहगीर और वाहन चालक अपनी जान हथेली में लेकर गुजरते है।

बता दे कि 30 जून को प्रकाशित माही की गुंज समाचार पत्र में उक्त मामले को लेकर खबर प्रकाशित की गई थी। जिससे वार्ड नंबर दो आंगनबाड़ी पुल के नजदीक है। जिससे बच्चों जाने में खतरा बना हुआ रहता है।बारिश में पानी पल के ऊपर से बह रहा है। पुल पर रैलिंग भी नही है। रेलिंग नही होने से दुर्घटना का भय बना रहता है। बच्चे आंगनबाड़ी नही जाने पर बच्चों की पढ़ाई से वंचित हो रहे है और बारिश से इस मार्ग पर पैदल चलना खतरे से खाली नही है। फिर इस क्षतिग्रस्त पुल से बच्चे केसे जायेंगे।

पुल को क्षतिग्रस्त हुए काफी समय बीत जाने के बावजूद भी जिम्मेदार शासन-प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी पुल के मरम्मत पर कोई ध्यान नहीं दे रहे है। लगता है कि प्रशासन को किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार है।

उक्त पुल अत्यधिक जर्जर अवस्था में पहुंच चूका है, पुल में लगे सरिया भी दिख रहा है। जगह-जगह पर गढ्ढे निर्मित हो चूके है। जो बारिश होने पर उक्त गड्ढे में पानी भर जाने के कारण आये दिन छोटी-मोटी दुर्घटनाएं घटित होना आम बात हो गई है। साथ ही पुल के आसपास अतिक्रमण कर रखा है।

पाइप लाइन फूटने से नगर की जल सप्लाई हो सकती प्रभावित

उक्त पुल से नगर की फिल्टर प्लांट की पाइप लाइन गुजर रही जिससे पाइप लाइन पुल के ऊपर से गुजर रही हैं। जिससे पाइप लाइन टूटने से नगर में पानी सप्लाई की दिक्कतें आ सकती जिसमे नगर वासियों को काफी दिक्कतों का सामना पढ़ सकता हैं। साथ ही नगर का यह मार्ग हॉस्पिटल जाने के लिये नजदीक पड़ता है। जिससे पैदल जाने वालों को कम समय मे पहुंच जाते हैं। उक्त मार्ग पर कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

जिले के जिम्मेदार अधिकारी कर्मचारी व नेतागण उक्त पुलिया को पार कर हमेशा आते-जाते है, लेकिन जिम्मेदार व्यक्ति इस ओर ध्यान नहीं दे रहे है। शासन-प्रशासन की उदासीन रवैया के चलते राहगीर छोटी-मोटी दुघर्टना का शिकार हो रहे है। लगता है प्रशासन को किसी बड़ी दुर्घटना होने का इंतजार है, शायद इसी वजह से पुल की मरम्मत पर ध्यान नहीं दे रहे है। वही, स्थानीय ग्रामीणों व राहगीरों ने शीघ्र मरम्मत की मांग की है।

राजनीतिक हलचल...

2023 विधानसभा की तैयारी में विधायक वालसिंह मैड़ा ने किया अपना रास्ता साफ

जिला पंचायत चुनाव में बेटे और बेटी के दम पर किया दूसरे दावेदारों के दावों को कमजोर

माही की गूंज, पेटलावद।

विधानसभा 2023 का सेमीफाइनल अभी त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के रूप में खत्म हुआ है। पेटलावद विधानसभा क्रमांक 195 के विधायक वालसिंह मैडा ने अपनी चालाक राजनीति का परिचय देते हुए अगले विधानसभा चुनाव 2023 के लिए अपनी सीट को सुरक्षित कर लिया। इस सीट पर हमेशा कांग्रेस की और से तीन से चार दावेदार रहे हैं। भाजपा और कांग्रेस इस विधानसभा क्षेत्र के दूसरे हिस्से रामा क्षेत्र से ही अपने प्रत्याशी को मैदान में उतरती रही है। वर्तमान विधायक वालसिंह मैडा और पूर्व विधायक निर्मला भूरिया भी रामा क्षेत्र से रही है। प्रदेश सरकार में के पूर्व मंत्री बापूसिंह डामोर के पुत्र रूपसिंह डामोर लगातार इस विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस की और से दावेदारी करते आ रहे हैं। पूर्व में झाबुआ विधानसभा क्षेत्र में निवासरत रहे और पेटलावद विधानसभा में नाम जुड़ने के बाद लगभग 20 वर्ष पहले कांग्रेस पेटलावद विधानसभा से टिकिट भी दे चुकी हैं लेकिन उस समय पेटलावद नया-नया क्षेत्र होने के कारण हार का सामना करना पड़ा था। वही स्थानीय मुद्दे पर कांग्रेस की पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष और दो बार की जिला पंचायत सदस्य रही कलावती गेहलोत भी लगातार इस विधानसभा से टिकिट की मांग कर रही है। यहां तक कि निर्दलीय नामांकन भी 2018 के चुनाव में कर चुकी हैं और कांग्रेस द्वारा टिकिट नही मिलने पर कांग्रेस प्रत्याशी के पक्ष में नामांकन लेकर कांग्रेस की ईमानदार कार्यकर्ता होने का परिचय भी दे चुकी। रामा ओर पेटलावद विकास खण्ड दोनों अलग-अलग क्षेत्र है इसलिए स्थानीय विधायक के नाम पर पेटलावद विकास खण्ड से टिकिट की लगातार मांग दोनों मुख्य दलों की ओर से उठती रही है। कांग्रेस पार्टी में विधायक वालसिंह मैडा के पार्टी में परंपरागत प्रतिद्वंद्वी है और निकट भविष्य में कांग्रेस दूसरे प्रत्याशी का रुख करती तो शायद कांग्रेस इन दोनों चहरो की तरफ देख सकती थी। लेकिन चतुर राजनीति का परिचय देते हुए विधायक मैडा ने त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में अपने दोनों मुख्य प्रतिद्वंद्वीयो को रास्तों से हटाने की पूरी कोशिश की है।

विधायक वालसिंह मैडा।

बेटे और बेटी के जरिए जिला पंचायत चुनाव में दी दोनों प्रतिद्वंद्वीयों को पटखनी

कलावती गेहलोत।

रूपसिंह डामोर।

विधानसभा क्षेत्र की दो जिला पंचायत क्षेत्र जिसकी लगभग 50 ग्राम पंचायत इस विधानसभा क्षेत्र की हिस्सा है। जिसमे क्षेत्र क्रमांक 3 और क्षेत्र क्रमांक 14 में हुए चुनाव में विधायक मैडा ने अपने पुत्र और पुत्री के जरिए दोनों मुख्य प्रतिद्वंद्वीयो को हराने और हरवाने में कामयाबी हासिल की है। पहले चरण में पेटलावद विकास खण्ड में हुए चुनाव में क्षेत्र क्रमांक 14 से विधायक मैडा ने अपने पुत्र विक्रम मैडा को कांग्रेस से अधिकृत करवा कर चुनाव लड़वाया। यही से दो बार की जिला पंचायत सदस्य रही कांग्रेस की महिला नेता कलावती गेहलोत भी निर्दलीय मैदान में उतरी थी। यहां विधायक ने अपने पुत्र के लिए पूरी जान लगाकर आखिर इस क्षेत्र से न केवल पुत्र को चुनाव जितवाया, बल्कि स्थानीय प्रत्याशी होने के बाद भी कलावती को तीसरे नम्बर पर धकेल कर उनके राजनीतिक जीवन पर प्रश्न चिन्ह लगवा दिए। विधायक द्वारा खर्च की गई राशि का आंकड़ा किसी विधानसभा के चुनाव के खर्च के बराबर होना बताया जा रहा है। दूसरी और दूसरे चरण के चुनाव में रामा क्षेत्र के क्षेत्र क्रमांक 3 में बापूसिंह डामोर की पोती ओर रूपसिंह डामोर की पुत्री प्रियंका डामोर को कांग्रेस से अधिकृत किया गया था। स्वयं के क्षेत्र की इस सीट को जिताने की जिम्मेदारी खुद विधायक वालसिंह मैडा पर थी। लेकिन यहां डामोर परिवार का राजनीतिक रसूख खत्म करने के लिए निर्दलीय मैदान में पुत्री कविता उमेश डामोर उतरी थी। बताया जा रहा है कि, यहां विधायक ने कांग्रेस अधिकृत के पक्ष प्रचार न करते हए बेटी का अंदरूनी प्रचार कर कांग्रेस प्रत्याशी का भारी नुकसान किया। जिसके परिणाम स्वरूप कांग्रेस अधिकृत प्रत्याशी प्रियंका रूपसिंह डामोर को हार का सामना करना पड़ा। हालांकि विधायक की बेटी चुनाव जीत नही सकी और तीसरे नम्बर पर रही पर कांग्रेस प्रत्याशी का भारी नुकसान कर दिया, जिससे डामोर परिवार के 20 वर्ष के वर्चस्व वाली सीट पर हार का सामना करना पड़ा।

बोए बिज बबलू का तो आम कहा से होय, 2023 में जयस बनेगी कांग्रेस के लिए चुनोती

विधायक मैडा भले ही अपना राजनीतिक करियर मजबूत करने में कामयाब रहे। लेकिन कहते हैं कि ÷जैसा बोओगे वैसा पाओगे÷ आने वाले चुनाव में कांग्रेस की और से वर्तमान विधायक का टिकिट तय है लेकिन जिला पंचायत सहित कई जनपद की सीटों पर सीधा हस्तक्षेप विधायक को आने वाले समय मे भारी भी पड़ सकता है। क्योंकि इस विधानसभा क्षेत्र में जयस संगठन ने अपना दबदबा बना लिया है और आने वाले समय मे इस सीट पर जयस उम्मीदवार पूरी ताकत से मैदान में उतरेगा, जो नुकसान कांग्रेस को ज्यादा करेगा। ऐसे में कांग्रेस को एक जुट होकर पंचायत चुनाव मैदान में उतरना था उसकी बजाए एक-दूसरे की राजनीतिक जमीन कमजोर करने की कोशिश की गई जो आने वाले विधानसभा चुनाव में विधायक मैडा और कांग्रेस के लिए मुश्किलें खड़ी करेगा, ये तय है।

गौ शाला की लापरवाही आई सामने, एक साथ 6 गाय की हुई मौत

माही की गुंज, शुजालपुर।

मध्य प्रदेश में 15 महीने के लिए कांग्रेस सरकार आई जिसने हर ग्राम पंचायत में गौशाला निर्माण का कार्य किया और लगभग सभी ग्राम पंचायतों में गौशाला बनकर तैयार हो गई। लेकिन 15 महीनों के बाद पुनः मध्यप्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार आई लेकिन गौ सेवा के लिए कुछ नहीं कर पा रही है। गौशालाए तो बन गई लेकिन गौमाता की दुर्दशा ऐसी हो गई है कि देखी नहीं जाती।

आए दिन सड़कों पर गौ माता की मौत हो जाती है लेकिन गौशाला ग्राम पंचायतों में सिर्फ नाम के लिए बनी है। गौ सेवा अभी तक प्रारंभ नहीं हुई। लाखों रुपए का भूसा गौशाला में आता है लेकिन सिर्फ कागजों पर इसका हिसाब दिखाया जाता है। जब गौशाला में गाय नहीं है तो भूसा कौन खाता है।

हम बात कर रहे ग्राम पंचायत रनायल गौ शाला की, जहां गौशाला प्रबंधन की लापरवाही सामने आ रही है। राणायल गौशाला में 6 गाय की मौत हो गई। कोई उनको देखने वाला कोई नही था। जिम्मेदार व्यक्ति की यह जवाबदेही बनती थी कि उनकी देखभाल करे। गायों के नाम पर सिर्फ राजनीति होती आ रही है। विधायक कुणाल चौधरी वैसे तो विपक्ष की आवाज बड़ी बुलंदी से उठाते है। लेकिन गाय की मृत्यु के बाद उनका आवाज न उठाना समझ से परे है। वही गायों की मृत्यु प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़ा रही है।

कच्चे मकान की दीवार में सेंध लगाकर एक लाख के जानवरों की चोरी

माही की गूंज, बामनिया।

मंगलवार-बुधवार रात ग्राम के मेला ग्राउंड स्थित एक कच्चे मकान की दीवार में अज्ञात चोरों ने सेंघमारी कर मकान में मौजूद लगभग एक लाख की कीमत के जानकार चुरा लिए। सूचना के बाद बामनिया चौकी से पुलिस बल ने मौके पर पहुँच कर जानकारी ली।

मेला ग्राउंड निवासी पूना पिता थावरिया मुनिया ने चौकी बामनिया में लिखित आवेदन पेश कर बताया कि, मंगलवार-बुधवार रात अज्ञात चोरों ने घर के पीछे वाले हिस्से की दीवार तोड़ कर घर मे प्रवेश किया और घर मे बंधे 10 बकरा-बकरी, 7 मुर्गे-मुर्गी जिनकी कीमत लगभग एक लाख रुपये है चुरा कर ले गए। परिवार को चोरी की जानकारी सुबह मिली जिसके बाद पुलिस की सूचना दी गई।

बारिश के दिनों में चोर गिरोह सक्रिय होता है और इस प्रकार से मूक प्राणियों को निशाना बना कर चोरी की वारदात को अंजाम देते है और मौका मिलते ही बड़ी वारदात को अंजाम दे देते हैं।

गूंज की पहल से हरकत में आया जिला प्रशासन, जन्म-मृत्यु पंजीकरण की प्रक्रिया जल्द न्यायालय से होगी शुरू

जिला कलेक्टर ने न्यायधीश से चर्चा कर प्रकिया निर्धारित करने का लिया निर्णय

– जिला कलेक्टर एवं न्यायाधीश के साथ बैठक करते हुए।

यह हो सकती हैं अब जन्म-म्रत्यु प्रमाण पत्र की प्रकिया

1) प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश झाबुआ द्वारा प्रथम वर्ग न्यायाधीश का क्षेत्राधिकार निर्धारित किया जाएगा।
2) जिला न्यायालय द्वारा आदेशित प्रथम वर्ग न्यायाधीश की क्षेत्राधिकार अनुसार लोकसेवा प्रबंधक ऑनलाइन पोर्टल पर माननीय न्यायाधीश की मैपिंग कर आईडी व पासवर्ड प्रदान करेंगे साथ ही न्यायालयीन स्टॉफ को प्रशिक्षण भी प्रदान करेंगे।
3) कोर्ट के आवेदन प्रारूप में ऑनलाइन आवेदन फॉर्म लोक सेवा केन्द्रों द्वारा ऑनलाईन दर्ज किया जाएगा।
4) दर्ज आवेदन संबंधित माननीय न्यायाधीश या उनके रीडर के लॉगिन पर दिखने लगेगा।
5) माननीय न्यायाधीश या उनके रीडर उस आवेदन को ऑनलाइन सीईओ/सीएमओ को जाँच रिपोर्ट के लिए प्रेषित कर देंगे।
6) जांच प्रतिवेदन की समय–सीमा सीईओ/सीएमओ के लिये आदेश कलेक्टर अपने स्तर से जारी करेंगे।
7) सीईओ/सीएमओ अपने अधीनस्थ क्रमश : पंचायत सचिव, वार्ड प्रभारी से जाँच प्रतिवेदन लेंगें और रिपोर्ट को ऑनलाइन प्रेषित कर देंगें।
8) माननीय न्यायाधीश के रीडर आवेदन और जांच प्रतिवेदन न्यायाधीश महोदय को प्रस्तुत करेंगे।
9) माननीय न्यायाधीश अंतिम आदेश जारी करेंगे जो पोर्टल पर अपलोड होगा।
10) माननीय न्यायाधीश द्वारा पारित आदेश की प्रति आवेदक लोक सेवा केन्द्र से प्राप्त करेंगे अथवा ऑनलाईन/ वाट्सअप के माध्यम से स्वयं डाउनलोड कर देख सकते है।

माही की गूंज | झाबुआ

जन्म प्रमाण-पत्र के लिए भटक रहे लोग, कई बच्चों का भविष्य अधर में

07 जुलाई को गूंज में प्रमुखता से प्रकाशित खबर।

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

माही की गूंज समाचार पत्र में गुरुवार 7 जुलाई के अंक में ''जन्म प्रमाण पत्र के लिए भटक रहे लोग, कई बच्चों का भविष्य अधर में'' के साथ जन्म-म्रत्यु प्रमाण पत्रों की प्रक्रिया लोक सेवा गारंटी के माध्यम से बन्द होने से लोगो को हो रही परेशानी की प्रामाणिक खबर प्रमुखता से प्रकाशित की थी। खबर प्रकाशित होने के बाद सोशल मीडिया पर भी इस खबर को भरपूर समर्थन करते हुए लोगो ने जन्म प्रमाण पत्र संबंधी प्रक्रिया से हो रही परेशानी और मुद्दे को सही बताया था। मामला जिला कलेक्टर के संज्ञान में आने के बाद अभिभावकों की परेशानियों को देखते हुए जिला कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने न्यायालय के आदेश के आधार पर माननीय न्यायाधीश के साथ बैठक कर प्रकिया निर्धारित करने का लिया निर्णय लिया।

ग्वालियर खंण्ड पीठ ने तहसीलदार को जन्म-म्रत्यु प्रमाण पत्र के आदेश के लिए माना था अयोग्य

जन्म-मृत्यु का पंजीकरण अधिनियम 1969 की धारा 13 (3) के संबंध में माननीय उच्च न्यायालय खण्डपीठ ग्वालियर के पारित डब्ल्यू ए 120/2021 दिनांक 11 फरवरी 2022 आदेशानुसार एक वर्ष के पश्चात् जन्म-मृत्यु के प्रकरणों में जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किए जाने हेतु कार्यपालिक दण्डाधिकारी के स्थान पर प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट को अधिकार प्रदान किए गए है। वर्तमान में उक्त आदेश के पालन में तहसीलदार द्वारा एक वर्ष के पश्चात् जन्म-मृत्यु की पंजीयन की अनुमति जारी नहीं की जा रही है। जिससे स्कूलो में बच्चो को एडमिशन एवं शासन की योजनाओं के लिए जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र आवश्यक होने से जिले के नागरिको को होने वाली समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था।

कलेक्टर मिश्रा ने की न्यायाधीश के साथ बैठक, प्रकिया निर्धारित करने का लिया निर्णय

समस्या के दृष्टिगत सोमेश मिश्रा कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी झाबुआ एवं माननीय मो. सैय्यदुल अबरार अंसारी प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश झाबुआ द्वारा बैठक में चर्चा कर निम्नानुसार आवेदनों के निराकरण के लिए प्रक्रिया निर्धारित करने का निर्णय लिया है। माननीय न्यायाधीश जिले में प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट के क्षेत्राधिकार निर्धारित करने के तत्काल निर्देश दिए है। गौरतलब है कि, इस संबंध में कलेक्टर जिला झाबुआ द्वारा लोक सेवा प्रबधंन विभाग एवं योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग भोपाल को पत्राचार कर अवगत करा चुके है। बैठक उपरान्त इस सेवा के संबंध में नवीन प्रक्रिया इस प्रकार निर्धारित करने का प्रयास किया जा रहा है। उक्त बैठक मंगलवार को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश झाबुआ के कक्ष में आयोजित की गई। जिसमें प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश झाबुआ, कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, जिला लोक सेवा प्रबधंक एवं अन्य अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

देर से ही सही पर निराकरण होगा, जल्द जारी होंगी नई प्रक्रिया

मामला तहसील न्यायालय से निकल कर सत्र न्यायालय की और चला गया है। नई प्रकिया क्या और कैसे होगी ये भी जल्द ही सामने आ सकती है। जिला कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने बताया कि, माननीय न्यायधीश को पुरानी प्रकिया की जानकारी दे दी गई है और इसके लिए एक ट्रेनिग का भी आयोजन किया जाएगा। जिला प्रशासन के प्रयासों के बाद जल्द ही परेशान अभिभावकों सहित आमजन को जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए नही भटकना पड़ेगा। चुकी मामला न्यायालय से जुड़ा है इसलिए आवेंदन के निराकरण की क्या अवधि नियत होती है, ये देखना होगा। वही प्रकिया के दौरान जांच रिपोर्ट तैयार करने वाले जिम्मेदार कर्मचारियों और अधिकारियों पर अतिरिक्त दबाव भी होगा जिससे फर्जी प्रमाण पत्र बनने पर लगाम भी लगेगी।

अभिभावकों की परेशानीयो को देखते हुए जल्द और कम समय मे हो प्रक्रिया

वर्तमान में स्कूल प्रवेश को लेकर कार्रवाई चल रही जहा सबसे बड़ी परेशानी के रूप में जन्म दिनांक का सही नही होना है। जिससे नई प्रोफ़ाइल, प्रोफ़ाइल अपडेशन, नए आधार कार्ड, आधार अपडेशन, जाती प्रमाण पत्र जैसे कार्य नही हो रहे है। चुकी नए सत्र के शुरू हुवे 15 दिन निकल चुके हैं और अभिभावकों को अभी भी बच्चों के एडमिशन को लेकर पूरी तरह से आश्वस्त नही है।

गूंज की अपील है कि, अभिभावकों की परेशानियों को देखते हुए प्रक्रिया जल्द शुरू होकर कम समय मे निराकरण किया जाए, ताकि कोरोनो जैसी महामारी से बर्बाद दो शिक्षा सत्र के बाद बच्चे और स्कूल प्रशासन कागजी कार्रवाई से फ्री होकर अच्छी शिक्षा व्यवस्था में जुट सके।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422